WWW.Kanchanujala.in

हिन्दी दैनिक

kanchanujala14@gmail.com

कंचन उजाला

सौम्या टंडन छोड़ रहीं भाबी जी घर पर हैं शोटीवी शो

लखनऊ से प्रकाशित

सच्चाई के साथ

वर्षः 01 अंक : 242 | लखनऊ, शनिवार, 22 अगस्त, 2020 | पृष्ठ- 6 | मूल्य - 1 रुपये

विधानसभा एक दिन के लिए स्थगित

परिषद में हंगामे के बाद विपक्ष का वॉकआउट

हमलावार मूड में विपक्ष

विधानमंडल के मॉनसून सत्र में दूसरे दिन शुक्रवार को सरकार को विभिन्न मुद्दों पर घेरने के लिए विपक्ष के फिर से हंगामा करने के आसार हैं। गुरुवार को पहले दिन विधान भवन में ही समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी व कांग्रेस विधायक दलों की बैठक में जनसमस्याओं को सदन में उठाने की रणनीति तैयार की गई। नेता प्रतिपक्ष की अनुपस्थिति में नरेंद्र वर्मा, इकबाल महमूद व शैलेंद्र यादव ललई जैसे नेताओं पर नेतृत्व की जिम्मेदारी होगी।

अपने भी बन सकते हैं सरकार का सिरदर्द

विपक्ष के अलावा सत्तापक्ष के लिए सदन में कुछ अपने भी सिरदर्दी बढ़ा सकते है। नेतृत्व ने ऐसे विधायकों को चिन्हित कर उनसे संवाद बनाने के निर्देश सचेतकों व प्रमुख नेताओं को दिए हैं।

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश विधानमंडल के मानसून सत्र में विधानसभा में आज (शुक्रवार) दूसरे दिन भी कार्यवाही नहीं हो सकी। सर्वदलीय बैठक में लिए फैसले के अनुसार विधायक जन्मेजय सिंह के शोक में सदन श्रृद्धांजलि अर्पित करने के बाद स्थगित कर दिया गया। शनिवार को अवकाश नहीं होगा। आज का एजेंडा शनिवार को सदन में लागू होगा। विधानसभा तो भाजपा विधायक जन्मेजय सिंह के निधन के कारण शोकसभा के बाद स्थगित कर दी गई, लेकिन विधान परिषद में विपक्ष ने सरकार को जमकर घेरा। कोरोना वायरस के साथ ही प्रदेश की खराब कानून-व्यवस्था को लेकर सरकार पर जमकर हमला बोला। प्रदेश में कानून व्यवस्था ध्वस्त होने का आरोप लगाते हुए विपक्षी दलों ने विधान परिषद में सरकार पर हमले किए। वहीं सरकार ने आंकड़ों के आधार पर कानून-व्यवस्था में बेहतरी का दावा किया। सरकार के जवाब से असंतुष्ट बसपा सदस्यों ने सदन से बहिर्गमन किया। वहीं कोरोना संक्रमण के दौर में विधान परिषद में प्रश्नकाल शुरू होते ही सपा के नरेश चंद्र उत्तम ने प्रदेश की ध्वस्त कानून व्यवस्था, बाढ़ की बिगड़ती स्थिति और कोरोना संक्रमण के बेकाबू होते हालात पर सदन की कार्यवाही रोककर चर्चा कराने की मांग की। इसी बीच सपा के सदस्यों ने सभापति के आसन के सामने आकर सरकार के विरोध में नारेबाजी और हंगामा शुरू कर दिया। सभापति रमेश यादव के समझाने पर भी सपा सदस्य शांत नहीं हुए और नारेबाजी जारी रही। विधान परिषद में विपक्षी दलों ने कोरोना संक्रमण के बिगड़ते हालात के लिए सरकार के रवैए को जिम्मेदार ठहराया। उनका आरोप था कि कोविड फंड के नाम पर धन उगाही और भ्रष्टाचार हो रहा है। सरकार ने कोरोना संक्रमण से निपटने के उपायों का जिक्र किया। सरकार के जवाब से असंतुष्ट सपा सदस्यों ने सदन से वाकआउट किया। बता दें, विधानमंडल का मानसून सत्र आहूत करा रही योगी आदित्यनाथ सरकार शुक्रवार को विपक्ष के हंगामे के बीच में भी करीब डेढ़ दर्जन विधेयक पास कराने की तैयारी में थे। योगी सरकार ने इस वर्ष गोवध करने वालों के लिए कठोर सजा का प्रावधान किया है।

सपा, बसपा के साथ कांग्रेस ने तैयार की रणनीति

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अपराध वृद्धि, कोरोना उपचार में अनियमितताएं व भ्रष्टाचार, फर्जी मुठभेड़, बिजली व बकाया गन्ना मूल्य जैसे मुद्दों पर आवाज उठाने को कहा है। वहीं बसपा सदस्य दलित उत्पीड़न, ध्वस्त कानून व्यवस्था व कोरोना उपचार में गरीबों के शोषण जैसी समस्याओं को लेकर हमलावर होगी। कांग्रेस विधान मंडल दल नेता आराधना मिश्रा मोना ने बताया कि बेकाबू अपराध और कोरोना की रोकथाम में नाकाम सरकार को सदन में घेरा जाएगा।

पास होंगे करीब डेढ़ दर्जन विधेयक

दूसरी ओर प्रदेश सरकार ने लोक तथा निजी संपत्ति क्षति वसूली अध्यादेश, राजकोषीय उत्तरदायित्व व बजट प्रबंध संशोधन अध्यादेश, मंत्री वेतन भत्ता व प्रकीर्ण उपलब्ध संशोधन अध्यादेश, राज्य विधानमंडल सदस्यों उपलब्धियां व पेंशन संशोधन अध्यादेश, माल और सेवा कर द्वितीय संशोधन अध्यादेश, लोक स्वास्थ्य एवं महामारी नियंत्रण अध्यादेश, कृषि उत्पादन मंडी संशोधन अध्यादेश, गन्ना आपूर्ति एवं खरीद विनियमन संशोधन अध्यादेश, स्ववित्त पोषित स्वतंत्र विद्यालय शुल्क विनियमन संशोधन अध्यादेश, विशेष सुरक्षा बल अध्यादेश व उत्तर प्रदेश औद्योगिक क्षेत्र विकास संशोधन अध्यादेश आदि सदन के पटल पर प्रस्तुत करके पारित कराने का मन बनाया है।

तय वक्त पर होंगे बिहार विधानसभा चुनाव

चुनाव आयोग ने जारी की गाइडलाइंस

नई दिल्ली, एजेंसी। कोरोना महामारी के बीच चुनाव किस तरह होंगे और नामांकल से लेकर वोटिंग के दिन तक सोशल डिस्टेसिंग का पालन किस तरह होगा, इसके लिए चुनाव आयोग ने विस्तृत गाइडलाइंड जारी कर दिया है। चुनाव आयोग ने शुक्रवार को गाइडलाइंस जारी करते संकेत दिया कि बिहार में तय समय पर विधानसभा चुनाव होंगे। आयोग ने कहा कि चुनाव प्रक्रिया के दौरान सोशल डिस्टेसिंग का पालन करना होगा और ऐसा नहीं करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की जा सकती है। हालांकि आयोग ने 65 साल के तक बुजुर्ग को पोस्टल बैलट की सुविधा देने का आदेश विपक्षी दलों के विरोध के कारण वापस ले लिया है। सूत्रों के अनुसार राज्य में इस बार विधानसभा चुनाव अधिकतम एक या दो चरणों में चुनाव हो सकते है। अमूमन वहां पांच चरणों में चुनाव होते थे। राज्य में नये विधानसभा का गठन 28 नवंबर से पहले हर हाल मं होना है। अगर इस सीमा के अंदर चुनाव नहीं होता है तो राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाना होगा। बिहार विधानसभा चुनाव के साथ मध्य प्रदेश के 26 विधानसभा सीटों पर भी उपचनुाव होने है। चुनाव आयोग के निर्देश के अनुसार राजनीतिक दल रैली,रोड शो या घर-घर जनसंपर्क अभियान कर सकेंगे लेकिन इन सभी में कोविड को देखते हुए कड़े नियमों का पालन करना होगा। दरअसल बिहार में हाल के दिनों में कोविड संक्रमण तेजी से बढ़ा है और देश में सबसे अधिक नये मरीज मिलने वाले राज्यों में शुमार है। चुनाव आयोग के अनुसार ऑनलाइन नोमिनेशन होगा। जमानत राशि भी ऑनलाइन जमा कर सकते है। हालांकि सशरीर नामांकन का भी विकल्प होगा। लेकिन इसके लिए मात्र 2 लोग साथ जा सकेंगे। अधिकतम दो गाड़ी साथ में ले जा सकते हैं। जन-संपर्क अभियान में घर-घर अधिकतम पांच लोगों को अनुमति होगी। होम मिनिस्ट्री कोविड सुरक्षा से जुड़े मानक को पूरा करने पर रैली या रोड शो जैसे आयोजन को अनुमति दे। साथ ही पब्लिक रैली करने के लिए सोशल डिस्टेसिंग के साथ होगी। कितने लोग आएंगे इसकी जानकारी भी पूर्व तय होगी।

पूर्व सीजेआई गोगोई के खिलाफ दायर याचिका खारिज

नयी दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने पूर्व मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) रंजन गोगोई के खिलाफ दाखिल याचिका को शुक्रवार को खारिज कर दिया। इस याचिका में मांग की गई थी कि शीर्ष अदालत में सीजेआई श्री गोगोई के कार्यकाल के दौरान उनके कामकाज की इन-हाउस जांच हो। याचिका में इस मामले की जांच के लिए न्यायालय के तीन न्यायमूर्तियों का पैनल गठित करने की भी मांग की गयी थी। न्यायमूर्ति अरूण मिश्रा की अध्यक्षता वाली पीठ ने इस संबंध में अरूण रामचंद्र हुबलीकर की ओर से दायर जनहित याचिका को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि जस्टिस गोगोई रिटायर हो गए हैं और अब ये याचिका निष्प्रभावी हो चुकी है। इस पीठ में न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति कृष्णा मुरारी भी थे। पीठ ने कहा कि हम यह याचिका खारिज करते हैं। यह सुनवाई योग्य नहीं है। प्रतिवादी ने पहले ही अपना कार्यालय छोड़ दिया है। हुबलीकर ने खुद ही शीर्ष अदालत में याचिका दाखिल की थी तथा पूर्व सीजेआई गोगोई के कामकाज की जांच के लिए तीन जजों का पैनल गठित करने की मांग की थी। हुबलीकर ने पूर्व सीजेआई के कार्यकाल में उनके कामकाज को लेकर आरोप लगाए थे और इसे लेकर इन-हाउस जांच की मांग की थी।

तेलंगाना के श्रीसैलम प्लांट हादसा में 9 की मौत को मोदी ने बताया अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण

नई दिल्ली, एजेंसी। तेलंगाना के श्रीसैलम पनबिजली प्लांट आग हादसे को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया है। उन्होंने कहा कि मेरी संवेदना शोकाकुल परिवार के साथ है। उन्होंने घायलों के जल्द से जल्द ठीक होने की उम्मीद जताई। प्रधानमंत्री ने एक ट्वीट में कहा, श्रीसैलम पनबिजली संयंत्र में आग की घटना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। मेरी संवेदनाएं पीड़ित परिवारों के साथ हैं। मैं घायलों के जल्द से जल्द स्वस्थ होने की आशा करता हूं। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने तेलंगाना सीमा पर श्रीसैलम पनबिजली प्लांट में आग लगने के हादसे में लोगों की मौत पर शुक्रवार को शोक प्रकट किया और घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य होने की कामना की। राष्ट्रपति ने अपने ट्वीट में कहा, श्रीसैलम पनबिजली संयंत्र में आग लगने के हादसे में लोगों के मारे जाने से दुखी हूं।

एक दिन में रिकार्ड 62 हजार से अधिक मरीज हुए स्वस्थ, सक्रिय मामलों में इजाफा

नयी दिल्ली, एजेंसी। देश में कोरोना महामारी की बढ़ती विकरालता के बीच एक दिन में रिकार्ड 62 हजार से अधिक मरीज स्वस्थ हुए हैं हालांकि संक्रमण के 68 हजार से अधिक नये मामलों के कारण सक्रिय मामले भी बढ़े हैं। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से शुक्रवार की सुबह जारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटों में रिकॉर्ड 62,282 लोगों को संक्रमण से छुटकारा मिला है जिससे स्वस्थ होने वालों की कुल संख्या 21,58,946 हो गयी है। इस दौरान हालांकि संक्रमण के 68,898 नये मामले सामने आने से सक्रिय मामले 5633 बढ़ गये। देश में संक्रमितों की संख्या 29,05,823 हो गयी है तथा सक्रिय मामले 6,92,028 हो गये हैं। देशभर में पिछले 24 घंटों के दौरान 983 लोगों की मौत होने से मृतकों की संख्या 54,849 हो गयी। देश में सक्रिय मामले 23.82 प्रतिशत और रोगमुक्त होने वालों की दर 74.30 प्रतिशत है जबकि मृतकों की दर 1.89 प्रतिशत है। कोरोना से सर्वाधिक प्रभावित महाराष्ट्र में सक्रिय मामलों की संख्या 2078 बढ़कर 1,62,806 हो गयी तथा 326 लोगों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा 21,359 हो गया। इस दौरान 12,243 लोग संक्रमणमुक्त हुए जिससे स्वस्थ हुए लोगों की संख्या बढ़कर 4,59,124 हो गयी। देश में सर्वाधिक सक्रिय मामले इसी राज्य में हैं। आंध्र प्रदेश में मरीजों की संख्या 452 बढ़ने से सक्रिय मामले 87,177 हो गये। राज्य में अब तक 3001 लोगों की मौत हुई है, वहीं 8846 लोगों के स्वस्थ होने से कुल 2,35,218 लोग संक्रमणमुक्त हुए हैं। दक्षिणी राज्य कर्नाटक में पिछले 24 घंटों के दौरान मरीजों की संख्या 1052 बढ़ी है और यहां अब 82,165 सक्रिय मामले हैं। मरने वालों का आंकड़ा 102 बढ़कर 4429 पर पहुंच गया है।

झारखंड के साहिबगंज में 4.3 तीव्रता का भूकंप

रांची, एजेंसी। झारखंड के साहिबगंज जिला में शुक्रवार को भूकंप का झटका महसूस किया गया। भूकंप का झटका दिन में 12 बजकर 07 मिनट और 34 सेकेंड पर आया। भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.3 मापी गयी। हालांकि, साहिबगंज जिला में लोगों को इस झटके का कोई एहसास नहीं हुआ। भूकंप की तीव्रता बहुत कम होने की वजह से कहीं कोई नुकसान नहीं हुआ। रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट स्थित मौसम केंद्र के निदेशक एसडी कोटाल ने बताया कि भूकंप की तीव्रता बहुत अधिक नहीं थी। इसलिए किसी प्रकार के नुकसान की कोई गुंजाइश नहीं है। श्री कोटाल ने कहा कि साहिबगंज में 12।07।34 बजे भूकंप का हल्का झटका महसूस किया गया। इसके आसपास भी हल्के झटके महसूस किये गये होंगे। चूंकि भूकंप का केंद्र धरती के नीचे 10 किलोमीटर की गहराई में था।

चीन की चालाकी

एटमी क्षमता वाली पनडुब्बियों को दुनिया से छिपा रहा चीन

नयी दिल्ली, एजेंसी। रेडियो फ्री एशिया (आरएफपी) ने अपने ट्विटर अकाउंट से 18 अगस्त को यूलिन नेवल बेस की यह फोटो ट्वीट की थी। इसमें चीनी पनडुब्बी तहखाने के सामने नजर आ रही है। सैटेलाइट इमेज में यूलिन नेवल बेस पर एक चीनी पनडुब्बी तहखाने की ओर बढ़ती नजर आ रही है, इसके आसपास दो चीनी पोत भी नजर आ रहे हैं यूलिन नेवल बेस की इमेज में चीन की टाइप 093 पनडुब्बी होने का अंदाजा लगाया जा रहा है, चीन की ऐसी कुछ पनडुब्बियां एटमी हथियारों से लैस हैं चीन साउथ चाइना सी में अपना सैन्य दबदबा गुपचुप तरीके से बढ़ाने की कोशिशों में जुटा है। इसके लिए चीन ने हैनान आईलैंड स्थित अपने यूलिन नेवल बेस पर एक ऐसा तहखाना तैयार किया है, जिसमें पनडुब्बियों को भी छुपाया जा सकता है। अमेरिकन इमेजिंग कंपनी प्लेनेट लैब्स की ओर से जारी कुछ सैटेलाइट तस्वीरों से चीन की यह कारगुजारी उजागर हुई है। इस फोटो को सबसे पहले 18 अगस्त को रेडियो फ्री एशिया (आरएफपी) ने अपने ट्विटर अकाउंट से पोस्ट किया गया था।

प्रणव की हालत स्थिर

नयी दिल्ली, एजेंसी। सेना के रिसर्च एंड रैफरल अस्पताल में भर्ती पूर्व राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी के स्वास्थ्य में कोई बदलाव नहीं आया है और उनकी हालत स्थिर बनी हुई है। श्री मुखर्जी को 10 अगस्त को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल की ओर से आज जारी बुलेटिन में कहा गया है कि श्री मुखर्जी के स्वास्थ्य में कोई बदलाव नहीं हुआ है और उनकी हालत स्थिर बनी हुई है। उनके फेफड़े में संक्रमण हो गया था जिसका उपचार किया जा रहा है और वह अभी भी वेंटीलेटर हैं। उनके चिकित्सकीय मानक स्थिर हैं और विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम उनके स्वास्थ्य पर निरंतर नजर रखे हुए है। चौरासी साल के श्री मुखर्जी के मस्तिष्क में खून का थक्का जम गया था जिसे हटाने के लिये पिछले दिनों उनका ऑपरेशन किया गया था।

सीबीआई को मिली सुशांत के अपार्टमेंट की सीसीटीवी फुटेज

ईडी ने बहन प्रियंका का बयान दर्ज किया

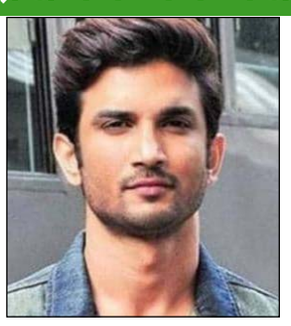

मुंबई, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आज सुशांत सिंह राजपूत की बहन प्रियंका का बयान दर्ज किया। प्रियंका सुशांत के बैंक एकाउंट में नॉमिनी थी। सुशांत सिंह की मौत के बाद जब उसके पिता ने बिहार में प्राथमिकी दर्ज करायी और रिया चक्रवर्ती और उसके परिवार पर गंभीर आरोप लगाये तो मामले की जांच शुरू हुई। वित्तीय अनियमितता का मामला ईडी देख रही है और सुशांत की मौत की जांच सीबीआई कर रही है। इसी क्रम में आज ईडी ने सुशांत की बहन प्रियंका का बयान दर्ज कराया।ईडी ने रिया चक्रवर्ती उसके भाई से काफी लंबी पूछताछ की है, वहीं सुशांत के पिता का बयान भी दर्ज किया है। इधर आज सीबीआई ने सुशांत की मौत मामले की जांच शुरू कर दी है। शुक्रवार सुबह सीबीआई की टीम ने सबसे पहले सुशांत के कुक नीरज का बयान दर्ज किया। इसके लिए सीबीआई की टीम उसे गेस्टहाउस ले गई। वहां अभी पूछताछ जारी है। सुशांत के हाउस मैनेजर सैमुअल मिरांडा से भी सीबीआई ने पूछताछ की है। साथ ही सीबीआई की एक टीम ने बांद्रा पुलिस थाने पहुंचकर केस डायरी और दस्तावेज ले लिये हैं। सीबीआई को सुशांत के अपार्टमेंट की सीसीटीवी फुटेज भी मिल गयी है, जिसकी जांच अब होगी। सीबीआई की विशेष जांच टीम बृहस्पतिवार को यहां पहुंची थी। सीबीआई अधिकारियों ने शुक्रवार सुबह ही मामले की जांच शुरू की और वे राजपूत के रसोइये को उपनगरीय सांता क्रूज में डीआरडीओ एवं आईएएफगेस्ट हाउस में पूछताछ के लिए लेकर आये। सीबीआई अधिकारी यहीं ठहरे हैं।

लगातार बारिश से कई नदियां खतरे के निशान से उपर

जगदलपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में लगातार हो रही बारिश से इंद्रावती, शबरी, गोदावरी, संकनी व डंकनी नदी खतरे के निशान से उपर बह रही है। बस्तर संभाग में कई दिनों से हो रही बारिश से जन जीवन अस्त-व्यस्त है। बस्तर संभाग मुख्यालय का संपर्क राजधानी से टूट चुका है। सुकमा जिला टापू बना हुआ है। जगह-जगह बचाव कार्य किया जा रहा है। इंद्रावती, शबरी , गोदावरी, संकनी - डंकनी ,सभी नदिंया खतरे के निशान से उपर बह रही है। अधिकारिक जानकारी के अनुसार बस्तर जिले में इंद्रावती नदी का जल स्तर खतरे के निशान से उपर है जिसके चलते इंद्रावती के करीब बसे आसपास गांवो में फंसे बाढ़ प्रभावित लोगों को राहत शिविर पहुंचाया जा रहा है। जगदलपुर , रायपुर मार्ग पर नांरगी नदी काकडी घाट का पानी मुख्य मार्ग पर सात फीट पानी उपर चल रहा है। जिसके चलते संभाग मुख्यालय का संपर्क राजधानी से टूट चुका है। यहां से दस किलो मीटर दूर नगरनार स्थित ग्राम भेजरीपदर,नदी बोडना इंद्रावती नदी से घिरकर टापू बन गया है। बचाव कार्य अभी प्रारंभ किया गया है। सुकमा जिले में शबरी नदी का जल स्तर खतरे के निशान से उपर बह रहा है जिसके चलते सुकमा जिला टापू बन चुका और सैकड़ों गांवों का संपर्क टूट चुका है। सुकमा-जगदलपुर, सुकमा-कोंटा, सुकमा-दंतेवाड़ा तथा ओडिसा-आंध्र में आवागमन बाधित हुआ है जिसके चलते सैकड़ों की तादात में वाहन फंसे हुये हैं।

थम नहीं रहा है फेसबुक विवाद

नयी दिल्ली, एजेंसी। फेसबुक कंट्रोल को लेकर राजनीति और विवाद थम नहीं रहा है। कांग्रेस इस मामले को लगातार उठा रहा है। कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने सोशल मीडिया पर ट्वीट करके भाजपा और आरएसएस पर निशाना साधा है। तस्वीर रणदीप सुरजेवाला ने शेयर की है उसमें कार्टून में एक शख्स सफेद शर्ट और खाकी की हॉफपैंट पहनकर फेसबुक के लोगो पर हाथ रखकर कसम खाता है, शपथ लेता हूं कि मैं जुकरबर्ग द्वारा स्थापित सभी नियमों का पालन करूंगा और।।गौरतलब है कि अमेरिकी में छपे एक अखबार वॉल स्ट्रीट जनरल में छपे एक रिपोर्ट के बाद बवाल खड़ा हुआ है। इसी रिपोर्ट में दावा किया गया है कि फेसबुक भारत में सत्तारूढ़ बीजेपी नेताओं के भड़काऊ भाषा के मामले में नियम कायदों में ढील बरतता है।

भारत समेत दुनियाभर में कोरोना वायरस का कहर जारी

भारत, अमेरिका और ब्राज़ील में कोरोना के एक करोड़ से अधिक मामले

वाशिंगटन /रियो डि जेनेरो /नयी दिल्ली, एजेंसी। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस (कोविड-19) के विश्वभर में अब तक दर्ज किये गए कुल 2,25,89,017 मामलों में से आधे से अधिक मामले यानी 1,19,12,643 मामले भारत,अमेरिका और ब्राज़ील में दर्ज किये गए हैं। कोविड-19 के संक्रमितों के मामले में अमेरिका दुनिया भर में पहले, ब्राजील दूसरे और भारत तीसरे स्थान पर है। वहीं इस महामारी से हुई मौतों के मामले में अमेरिका पहले, ब्राजील दूसरे और मेक्सिको तीसरे स्थान पर है तथा भारत इस मामले में चौथे नंबर पर है। अमेरिका की जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के विज्ञान एवं इंजीनियरिंग केन्द्र (सीएसएसई) की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार कोरोना से विश्वभर में 2,25,89,017 लोग संक्रमित हुए हैं तथा 7,92,475 लोगों की मृत्यु हुई है। विश्व महाशक्ति माने जाने वाले अमेरिका में कोरोना से अब तक 55,73,743 लोग कोरोना वायरस से संक्रमित हो चुके हैं तथा 1,74,248 लोगों की मौत हो चुकी है। ब्राजील में अब तक 35,01,975 लाख लोग इसकी चपेट में आ चुके हैं जबकि 1,12,304 लोगों की मौत हो चुकी है। भारत में केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से शुक्रवार सुबह जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटों के दौरान 68,898 संक्रमण के मामले आने से संक्रमितों की संख्या 29,05,823 हो गयी है। वहीं इस दौरान 983 लोगों की मौत होने से मृतकों की संख्या 54,849 पर पहुंच गयी है। देश में स्वस्थ होने वाले लोगों की कुल संख्या 21,58,946 हो गयी है। कोरोना के सक्रिय मामले लगातार बढ़ते हुए 6,92,028 पर पहुंच गए हैं। रूस कोविड-19 संक्रमण के मामले में चौथे नंबर पर है और यहां इससे अब तक करीब 939,833 लोग प्रभावित हुए हैं तथा 16,058 लोगों ने जान गंवाई है। दक्षिण अफ्रीका में कोरोना महामारी का प्रकोप बढ़ता ही जा रहा है।

त्रिलोकी नाथ रोड स्थित रालोद के प्रदेश कार्यालय मे काग्रेस छोड कर आए लोगो केा पार्टी के सदस्यता ग्रहण कराते राष्ट्रीय महासचिव अनुपम मिश्रा व अन्य

मुहर्रम बहुत अहम् महीनाः खालिद रशीद

दारूल उलूम निजामिया फरंगी महल में आन लाइन जलसों का शुरूआत

लखनऊ, संवाददाता। इस्लामिक सेन्टर आफ इण्डिया फरंगी महल के अर्न्तगत दारूल उलूम निजामिया फरंगी महल की जामा मस्जिद ईदगाह लखनऊ में 10 दिवसीय ''शुहादा-ए-दीन-हक व इस्लाह-ए-मुआशरा'' के जलसों का आरम्भ आज से आन लाइन हुआ। कोविड-19 के प्रोटोकाल को देखते हुए किसी भी प्रकार की भीड़ को जमा न करने की वजह से 10 दिवसीय जलसे आन लाइन ही रिले किये जायेंगे। इस सिलसिले के पहले जलसे को खिताब करते हुए इमाम ईदगाह लखनऊ मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली चेयरमैन इस्लामिक सेन्टर आफ इण्डिरूा ने कहा कि मुहर्रम का महीना बड़ी हुर्रमत व अजमत वाला महीना है। उन्होने कहा कि खुदा पाक ने 12 महीनों में 4 महीने हुरमत वाले करार दिये हैं। इन महीनों की हुरमत कयामत तक बाकी रहेगी। बहुत सी हदीसों में नबी पाक सल्ल0 ने मुहर्रम

को खुदा पाक का महीना करार दिया है। खुदा पाक की तरफ इस माह को विशेष करना खुद इसके शर्फ और फजीलत को बताता है। उन्होने कहा कि इस माह में रोजों का एहतिमाम करने की भी बहुत फजीलत बयान की गयी है। आन लाइन जलसे को खिताब करते हुए मौलाना फरंगी महली ने कहा कि पहली मुहर्रम दूसरे खलीफा हजरत उमर फारूक रजि0 को खुदा पाक ने शहादत अता की। उन्होने कहा कि कारूक-ए-आजम रजि0 की शहादत इस्लाम की उन मुसीबतों में से है जिनका पूरा होना नामुमकिन है। उन्होने हजरत उमर फारूक रजि0 की खिदमात का बयान करते हुए कहा कि खिलाफत-ए-फारूकी आज भी पूरी दुनिया के हुक्मरानों के लिए अच्छा नमूना है। उन्होने अपने अहद-ए-खिलाफत में वह काम अंजाम दिये जिनका उदाहरण दुनिया ने कभी नही देखा। आप के इस्लाम कुबूल करने के लिए नबी पाक सल्ल0 ने खुदा पाक से विशेष दुआ फरमायी जो खुदा पाक के हुजूर में कुबूल हुई। मौलाना फरंगी महली ने कहा कि खलीफाओं के मकाम व मरतबे का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि नबी पाक सल्ल0 ने फरमाया कि अबू बक्र व उमर रजि0 जन्नत के बड़ी उम्र वालों के सरदार हैं सिवाये नबियों के।जलसे का आरम्भ कारी मुबारक हुसैन की तिलावत कलाम पाक से हुआ।

योगी ने बाढ़ प्रभावित जनपदों के अधिकारियों को तटबंध की निरन्तर पेट्रोलिंग करने के दिए निर्देश

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के राहत आयुक्त संजय गोयल ने बताया कि मुख्यमंत्री ने बाढ़ प्रभावित जनपदों के अधिकारियों को तटबंध की निरन्तर पेट्रोलिंग करने के साथ-साथ बांधों में कटान की स्थिति पर सतत निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिये है कि प्रदूषित जलजनित व वेक्टर (मक्खी, मच्छर) जनित रोगों की रोकथाम हेतु आवश्यक कार्यवाही किया जाए एवं इन रोगों के उपचार हेतु समुचित औषधियों का पर्याप्त स्टाक भी सुनिश्चित किया जाए। पशुओं के आहार हेतु चारा भूसा आदि की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। श्री गोयल ने बाढ़ की स्थिति से अवगत कराते हुए बताया कि प्रदेश में वर्तमान में सभी तटबंध सुरक्षित है। बाढ़ के संबंध में निरन्तर अनुश्रवण

का कार्य किया जा रहा है। कहीं भी किसी प्रकार की चिंताजनक परिस्थिति नहीं है। प्रदेश के बाढ़ प्रभावित जनपदों में सर्च एवं रेस्क्यू हेतु एन0डी0आर0एफ0 की 15 टीमें तथा एस0डी0आर0एफ0 व पी0ए0सी0 की 07 टीमें इस प्रकार कुल 22 टीमें तैनाती की गयी है। 1,086 नावें बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लगायी गयी है। बाढ़,अतिवृष्टि की आपदा से निपटने हेतु बचाव व राहत प्रबन्धन के सम्बन्ध में विस्तृत दिशा निर्देश जारी किये जा चुके है। श्री गोयल ने बताया कि बाढ़ पीड़ित परिवारों को खाद्यान्न किट का वितरण कराया जा रहा है। इस किट में 17 प्रकार की सामग्री जिसमें 10 किलो आटा, 10 किलो चावल, 10 किलो आलू, 05 किलो लाई, 02 किलो भूना चना, 02 किलो अरहर की दाल, 500 ग्रा0 नमक, 250 ग्रा0 हल्दी, 250 ग्रा0 मिर्च, 250 ग्रा0 धनिया, 05 ली0 केरोसिन, 01 पैकेट मोमबत्ती, 01 पैकेट माचिस, 10 पैकेट बिस्कुट, 01 ली0 रिफाइन्ड तेल, 100 टेबलेट क्लोरीन एवं 02 नहाने के साबुन वितरित किये जा रहे है। उन्होंने बताया कि अब तक राहत सामग्री के अन्तर्गत 1,06,623 खाद्यान्न किट व 2,34,224 मी0 तिरपाल का वितरण किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि 296 मेडिकल टीम लगायी गयी है। श्री गोयल ने बताया कि बाढ की आपदा से निपटने के लिए प्रदेश में 373 बाढ़ शरणालय तथा 784 बाढ़ चौकियां स्थापित की गयी है। वर्तमान में प्रदेश के 16 जनपद (अम्बेडकरनगर, अयोध्या, आजमगढ़, बहराइच, बलिया, बाराबंकी, बस्ती, देवरिया, फर्रूखाबाद, गोण्डा, गोरखपुर, कुशीनगर, लखीमपुरखीरी, मऊ, संतकबीरनगर तथा सीतापुर) के 875 गांवों बाढ़ से प्रभावित है। शारदा नदी, पलिया कला (लखीमपुरखीरी), शारदा बैराज (लखीमपुरखीरी), राप्ती नदी राप्ती बैराज (श्रावस्ती) सरयू (घाघरा) नदी एल्गिनब्रिज (बाराबंकी), (अयोध्या) तथा तुर्तीपार (बलिया)में अपने खतरे के जलस्तर से ऊपर बह रही है। प्रदेश में 385 पशु शिविर स्थापित किये गये है तथा 6,75,772 पशुओं का टीकाकरण भी किया गया हैं। उन्होंने बताया कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में अब तक कुल 3,016 कुंतल भूसा वितरित किया गया है।

क्लीन एयर प्लान पर ठोस अमल को सर्वोच्च प्राथमिकता दे यूपी सरकार

सीड और सीईईडब्ल्यू द्वारा यूपी में स्वच्छ वायु कार्य-योजना की वर्तमान दशा और दिशा पर वेबिनार

लखनऊ, संवाददाता। सेंटर फॉर एनवायरनमेंट एंड एनर्जी डेवलपमेंट (सीड) और कौंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वाटर (सीईईडब्ल्यू) के द्वारा आज संयुक्त रूप से ष्उत्तर प्रदेश में क्लीन एयर एक्शन प्लान की वर्तमान स्थिति और भावी दिशा पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया, जिसमें उत्तर प्रदेश (यूपी) के अलग-अलग हिस्सों से स्वच्छ पर्यावरण और स्वच्छ हवा पर काम करने वाले 80 से ज्यादा नागरिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया. इस वेबिनार का उद्देश्य नेशनल क्लीन एयर एक्शन प्लान के तहत श्नॉन अटेनमेंट सिटीजश् में आने वाले यूपी के 15 शहरों के लिए क्लीन एयर एक्शन प्लान के क्रियान्यवन में दिख रही त्रुटियों को उजागर करना और साथ ही राज्य भर में इस योजना को प्रभावी तरीके से लागू करने पर पर सुझाव देना था,वेबिनार में शामिल ये सिविल सोसाइटी संगठन ष्क्लीन एयर इम्प्लीमेंटेशन नेटवर्क-यूपी (कैन-यूपी)ष् का हिस्सा थे, जो सेंटर फॉर एनवायरनमेंट एंड एनर्जी डेवलपमेंट की एक पहल है. इसके तहत ये संगठन नागरिकों के प्रतिनिधि के रूप में स्वच्छ आबोहवा को सुनिश्चित करने के लिए आवाज उठाते रहे हैं. कैन-यूपी के एक सदस्य और सेंटर फॉर सोशल रेस्पोंसिबिलिटी ट्रस्ट (लखनऊ) के संस्थापक श्री राकेश कुमार भट्ट ने क्लीन एयर प्लान के क्रियान्यवन में नागरिक संगठनों के सरोकारों को भी शामिल करने पर जोर देते हुए कहा कि ष्जमीनी स्तर पर योजना एवं क्रियान्यवन संबंधी गड़बड़ियों व कमियों की बेहतर समझ रखने के अलावा एनफोर्समेंट एजेंसियों की जिम्मेदारी एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने में सिविल सोसाइटी संगठनों की महत्वपूर्ण भूमिका है. हम नागरिक अपील करते हैं कि राज्य सरकार ठोस तरीके से इन क्लीन एयर एक्शन प्लान का क्रियान्वयन करे।

महिलाओं के निर्जल व्रत हरितालिका तीज पर विशेष अवकाश देने के लिए मुख्यमंत्री को भेजा पत्र

लखनऊ, संवाददाता। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष जे एन तिवारी ने आज 21 अगस्त को पूरे प्रदेश में मनाए जा रहे हरितालिका तीज व्रत पर महिलाओं के लिए विशेष अवकाश देने की अपील मुख्यमंत्री जी एवं मुख्य सचिव से किया है। उन्होंने मुख्यमंत्र एवं मुख्य सचिव के ईमेल पर प्रेषित पत्र के माध्यम से ध्यानाकर्षण करते हुए अवगत कराया है कि आज 21 अगस्त को महिलाओं का हरितालिका तीज व्रत है। इस व्रत में महिलाएं 24 घंटे निर्जल व्रत रखकर भगवान शिव का पूजन करती हैं। हिंदू संस्कृति , धार्मिक अनुष्ठान एवम् वैदिक रीति के अनुसार सभी व्रतों में यह सबसे कठिन व्रत है। इतना कठिन व्रत विश्व भर में किसी अन्य धर्म संप्रदाय या पंथ में नहीं मनाया जाता है। 24 घंटे बिना जल ग्रहण किए व्रत करना एवं शिव पूजन करना अत्यंत ही कठिन कार्य है। लेकिन भारतीय महिलाएं पूरी श्रद्धा एवं भगवान भोलेनाथ में विश्वास के साथ इस व्रत का पालन करती हैं। महिलाएं घर के उत्तरदायित्वों के साथ कार्यालयों का दायित्व भी संभाल रही हैं। जे एन तिवारी ने कामकाजी महिलाओं के लिए आज के दिन अवकाश घोषित करने की मांग किया है। उन्होंने मुख्यमंत्री को अवगत कराया है कि आज के दिन, (21अगस्त) को , यह व्रत मनाया जा रहा है। यदि आज के दिन कामकाजी महिलाएं अपने कार्यालयों में उपस्थित नहीं होती हैं ,तो उनकी अनुपस्थिति को विशेष अवकाश माना जाएस जे एन तिवारी ने मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में अवगत कराया है कि वैदिक एवं धार्मिक मान्यताओं को बनाए रखने , उनको पल्लवित पुष्पित करने एवं समाज में धर्म का संचरण कर धार्मिक मान्यताओं को स्थापित करने में आपके सहयोग के लिए आप का सदैव ही आभार व्यक्त किया जाएगा। हरितालिका तीज एवं करवा चौथ के व्रत पर महिलाओं के लिए अवकाश घोषित करने के संबंध में राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद की तरफसे जे एन तिवारी पहले भी पहल चुके हैं। शिक्षा विभाग में करवा चौथ पर महिलाओं को विशेष अवकाश मिल भी रहा है लेकिन हरितालिका तीज पर किसी भी सरकारी विभाग में महिलाओं को अवकाश नहीं मिल रहा है जिसके कारण महिलाओं को घर का कामकाज करते हुए 24 घंटे का निर्जल व्रत रखने एवं सरकारी दायित्वों का निर्वहन करने में अत्यंत ही कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री से अपील की है कि कृपया महिलाओं की इस तपस्या सरीखे व्रत में अवकाश स्वीकृत कर महिला उन्नयन में सहयोग अवश्य करें।

भाजपा विधायक जन्मेजय सिंह का निधन, विधानसभा की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में देवरिया जिले की सदर सीट से भाजपा विधायक जन्मेजय सिंह का हृदयाघात से निधन हो गया। वह 75 वर्ष के थे। दिवंगत विधायक को श्रद्धांजलि देने के बाद उत्तर प्रदेश विधानसभा की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गयी। सिंह को बृहस्पतिवार रात तबीयत खराब होने पर सिविल अस्पताल ले जाया गया था। इसके बाद रात दस बजे हालत बिगड़ने पर उन्हें लोहिया संस्थान रेफर कर दिया गया। लोहिया संस्थान के प्रवक्ता और चिकित्सा अधीक्षक डॉ. विक्रम सिंह के मुताबिक पेस मेकर लगाने के दौरान उनकी मत्यु हो गई। सिविल अस्पताल में उनकी जांच की गई थी जिसमें उनमें कोरोना वायरस संक्रमण की पुष्टि नहीं हुई थी। सिंह के पारिवारिक सूत्रों ने बताया कि उनका अंतिम संस्कार गोरखपुर में किया जाएगा। उनका पार्थिव शरीर देवरिया स्थित आवास पर ले जाया गया है। सिंह के तीन पुत्र और चार पुत्रियां हैं। इस बीच उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, विधानसभा अध्यक्ष हृदय नारायण दीक्षित और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने विधायक के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। योगी ने कहा कि सिंह एक समर्पित जन प्रतिनिधि थे। वह हमेशा अपने क्षेत्र के विकास के लिए तत्पर रहते थे। समाज के गरीब व कमजोर वर्गों के हितों के प्रति वह अत्यंत संवेदनशील थे। उन्होंने कहा कि सिंह के निधन से पार्टी ने एक समर्पित कार्यकर्ता तथा जनता ने अपना एक सच्चा हितैषी खो दिया है। मुख्यमंत्री ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति की प्रार्थना करते हुए सिंह के शोक संतप्त परिजन के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सिंह के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए ट्वीट किया, देवरिया सदर सीट से भाजपा विधायक जन्मेजय सिंह जी का निधन अत्यंत दुखद!

ग्रामीण सफाई कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर मंत्री से मिले सांसद कौशल किशोर

लखनऊ, संवाददाता। पंचायतों में तैनात सफाई कर्मचारी की समस्याओं को लेकर के ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ के महामंत्री रामेन्द्र श्रीवास्तव के साथ पंचायती राज मंत्री भूपेंद्र चौधरी से उनके आवास पर मोहनलालगंज के सांसद कौशल किशोर ने मुलाकात की मुलाकात के दौरान सफाई कर्मचारियों के द्वारा कोविड-19 में कार्य करने के दौरान कोरोना काल मे हो रही कठिनाई ,सफाई कर्मचारियों के स्थानान्तरण पर रोक एव सफाई कर्मचारियों का बिना पक्ष सुने किये जानें वाली कार्यवाही पर रोक लगाने तथा सफाई कर्मचारियों का पदोन्नति देकर उनका सबसे बड़ा सम्मान किया जाए इस संबंध में संगठन के द्वारा दिए गए मांग पत्र पर पंचायती राज मंत्री भूपेंद्र चौधरी के द्वारा संबंधित अधिकारी को कार्यवाही किए जाने हेतु पत्र भेजा गया संघ के महामंत्री रामेंद्र कुमार ने बताया है कि सांसद मोहनलालगंज के द्वारा जो सफाई कर्मचारियों के प्रति पहल की गयी उससे कर्मचारियों मे एक उम्मीद जगी है।

कोविड-19 कोष के लिए विधायक निधि रोकने के औचित्य पर सदन में उठा सवाल

लखनऊ, संवाददाता। कोविड कोष के लिये विधायकों की निधि लेने और उनके वेतन में कटौती किये जाने का मुद्दा शुक्रवार को विधान परिषद में उठा। पीठ ने इसे उच्च सदन की विधायी समाधिकार समिति के पास भेज दिया है। सपा सदस्य आनंद भदौरिया ने शून्यकाल के दौरान नियम 39 के तहत औचित्य के प्रश्न के जरिए यह मुद्दा उठाया। उन्होंने सरकार द्वारा सभी सदस्यों से राय मशविरा किए बगैर कोविड कोष के लिये विधायकों की एक साल की निधि लेने और वेतन में कटौती के फैसले को असवैधानिक बताया। उन्होंने कहा कि महामारी से पूरा देश जूझ रहा है। जहां इससे निपटने के लिये एक तरफनाम मात्र प्रयास किये जा रहे हैं, वहीं इसके लिये कोष जुटाने के नाम पर विधायक निधि को रोका गया है। यह जनता के साथ अन्याय और असवैधानिक कदम है। भदौरिया ने कहा, ''जैसे ही केन्द्र सरकार का 2 वर्षों का सांसदों का वेतन और निधि रोकने का प्रस्ताव आया, उत्तर प्रदेश सरकार ने सभी दलों के नेताओ से राय लिये बगैर एक ही पल में तानाशाहीपूर्ण तरीके से हम सभी विधायकों की निधि रोक ली और वेतन में भी कटौती कर दी। उन्होंने कहा, आज यह हाल है कि हमारे पास निधि नहीं है। कोई गरीब अपने इलाज के लिये आता है तो हम एक पैसा नहीं दे सकते। आज विधायकों की प्रदेश में इतनी शर्मनाक स्थिति कर दी है कि खुद को विधायक कहने में शर्म आती है। उन्होंने ने कहा,'' कोविड-19 के नाम पर जो कोष एकत्र हुआ है उसे जिलाधिकारी और मुख्य चिकित्साधिकारी देख रहे हैं। कोविड-19 के नाम पर लूट की जा रही है। आप जांच करा लें। पीपीई किट घटिया किस्म की खरीदी गयी हैं। करोड़ों रुपये खर्च कर लाखों लीटर हाइपोक्लोराइड खरीदा गया मगर उसकी गुणवत्ता की क्या गारंटी है। उन्होंने कहा मेरा मानना है कि इस वर्ष विधायक निधि को दो गुना कर दिया जाए, ताकि हम जनता की सेवा कर सकें। सपा सदस्य शशांक यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कोविड कोष के गठन के वक्त कहा था कि हमें एक हजार करोड़ रुपये की जरूरत है। जहां तक मेरी जानकारी है कि सारी निधि मिलाकर यह 1500 करोड़ से अधिक हो चुकी है, तो क्या सरकार के आकलन में कमी थी। जब बजट पहले ही पूरा हो चुका है तो बची हुई विधायक निधि वापस कर दी जाए। एक अनुमान कभी घट बढ़ भी जाता है क्योंकि कोविड की आकस्मिकता में तमाम तरह के व्यय जुड़े हैं। विधायक निधि या वेतन में कटौती वापस लेने का फिलहाल कोई विचार नहीं है। उन्होंने सपा सदस्य आनंद भदौरिया द्वारा उठाये गये मुद्दे पर कहा कि वह सदस्य की भावनाओं को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तक पहुंचाएंगे, मगर सरकार ने जो कदम उठाया वह कोरोना संकट काल में जरूरी था।

अंशिका त्यागी ने गजानन को सतरंगी डांस शो से रिझाया

बाल नृत्यांगना अंशिका ने किया गणपति से मनुहार

लखनऊ, संवाददाता। लोकप्रिय बाल नृत्यांगना अंशिका त्यागी ने गणेशोत्सव के स्वागत में शुक्रवार को मनभावन ऑनलाइन डांस शो किया। अपने तरह के इस अनोखे शो की खासियत यह थी कि इसमें देश की विविध भाषाओं में गाये गये गणपति के भजनों को एक माला के रूप में पिरोया गया था। उन भजनों पर अंशिका ने बारी-बारी से नृत्य कर प्रथम देव को गणेशोत्सव में आमंत्रित करने के लिए मनुहार किया। नव अंशिका फाउंडेशन संस्था की इस नृत्यांजली प्रस्तुति को नीशू मनोज की परिकल्पना, शोध और निर्देशन में फेसबुक लिंक पर दोपहर 12.30 बजे से लाइव, पेश किया गया। थिएटर एंड फिल्म वेलफेयर एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के तकनीकी सहयोग से इसे देश भर के हजारों कला प्रेमियों तक पहुंचाया गया।

नव अंशिका फाउंडेशन की उपाध्यक्षा, नीरा लोहानी के सहयोग से गोमती नगर की रेल विहार कालोनी के स्टूडियो से इसका सजीव प्रसारण किया गया। नृत्य की कोरियाग्राफी और मंच सज्जा ने प्रस्तुति का आकर्षण कई गुना बढ़ाया। बाल प्रेरक वक्ता, अभिनेत्री, मॉडल और नृत्यांगना अंशिका त्यागी ने सबसे पहले भाद्रपद शुक्ल पक्ष की चतुर्थी पर्व के अवसर पर, गजानन को नृत्य कर घर में आने का समर्पित भाव से निमंत्रण दिया। इसके लिए उन्होंने लोकप्रिय भजन ÷हे गणपति मेरे घर में पधारो - सब कारज मेरे संवारों पर नृत्य कर सबकी प्रशंसा हासिल की। इस क्रम में अंशिका ने देववाणी संस्कृत में श्री गणेश स्तुति पर गंभीरता के साथ भाव नृत्य किया। सार्वजनिक गणेशोत्सव की शुरुआत चूंकि महाराष्ट्र से हुई थी इसलिए अंशिका ने विशेष तौर से मराठी भाषा के गणपति भजन गजानंद देवा पर सुंदर नृत्य किया। प्रथम देव गणेश के जन्मोत्सव के अवसर पर जयकारा लगाते हुए उन्होंने खासतौर से हिन्दी फिल्म अग्निपथ का लोकप्रिय गीत 'देवा श्री गणेशा' पर जोशीला नृत्य कर अपनी प्रस्तुत को विराम दिया।

शिवपाल मिले राजभर बिगड़ती कानून व्यवस्था पर की बातचीत

लखनऊ, संवाददाता। एक बार फिर प्रगतिशील समाजवादी पार्टी (प्रसपा) के अध्यक्ष शिवपाल यादव से सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने मुलाकात की है। शुक्रवार को शिवपाल के आवास पर दोनों नेताओं में करीब एक घंटे तक बातचीत हुई। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच यूपी की कानून व्यवस्था को लेकर बातचीत हुई। जिसमें कहा गया कि उत्तर प्रदेश में अराजकता का माहौल बन गया है। चारों तरह लूट, हत्या, बलात्कार, फिरौती, अपहरण जैसी घटनाएं प्रतिदिन हो रही हैं। योगी सरकार 24 करोड़ जनता को सुरक्षा देने में असफल हो गयी है। समाज का हर तबका त्राहि त्राहि कर रहा है और सरकार सो रही है। दोनों नेताओं ने शिक्षा को निजीकरण करने व पिछड़े, दलित आरक्षण के मुद्दों पर भी चर्चाएं की। इस मुलाकात की जानकारी सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के मुख्य प्रवक्ता अरुण राजभर ने दी है।

रंग लाया मौलाना कल्बे जवाद का विरोध लखनऊ में मजलिसों पर लगी रोक खत्म

शहर के प्रमुख 7 स्थानों से मौलाना ऑनलाइन पेश कर सकेंगे अपनी तकरीरें

लखनऊ, संवाददाता। शिया धर्म गुरू मौलाना कल्बे जवाद के प्रयासों के चलते आखिरकार लखनऊ प्रशासन ने आज से शुरू हुए मुहर्रम के महीने में मजलिसों के आयोजन को सशर्त इजाजत दे दी। कोरोना संकट के चलते यह मजलिसें ऑनलाइन ही होंगी। शहर के सात स्थानों पर एक हजरत और पांच अन्य व्यक्तियों की उपस्थिति के साथ मजालिस के आयोजन की अनुमति दी गयी है। यह ऑनलाइन मजलिसें पहली मोहर्रम से लेकर दसवीं मुहर्रम तक चलेंगी। जिला प्रशासन ने इमामाबाड़ा आगाबाकर, शिया कॉलेज नक्खास, इमामाबाड़ा नाजमियां, मकबरा सआदतअली खां, गुफरान मॉब, इमामाबाड़ा अफजल महल और मदरसा नाजमियां में मजलिसों के आयोजन की अनुमति दी है। प्रशासन की तरफकी तरफसे इस बात की भी सख्त चेतावनी दी गयी है कि मजलिसों में किसी भी तरह के धार्मिक उन्माद, सांप्रदायिकता और भड़काऊ वक्तव्य नहीं दिए जाएंगे। कोरोना प्रोटोकॉल के उल्लंघन पर मजिलसों के इन्तजामियां के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इससे पहले गुरुवार को मोहर्रम के दौरान बड़ी मजलिसों पर रोक लगाए जाने पर इमाम-ए-जुमा मौलाना कल्बे जवाद ने प्रशासन की जमकर मुखालफत की थी। धर्मगुरू ने बयान जारी कर कहा था कि मजलिस तो जरूर होगी भले उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाए। मौलाना की जिद के चलते लखनऊ जिला प्रशासन ने देर रात इमामबड़ा गुफरानमाब में मजलिस के लिए सशर्त अनुमति दे दी। कल्बे जवाद इसी इमामबाड़े में मजलिस पढ़ते हैं। मौलाना कल्बे जवाद ने पुराने लखनऊ में ताजिया बेचे जाने पर भी पुलिस की रोक का विरोध किया है। कहा कि ताजिया हदिया (बिक्री) करने वालों को डराया धमकाया जा रहा है, यह असवैधानिक और गैरकानूनी है। शुक्रवार को शहर में ऑनलाइन मजालिस की अनुमति देते हुए पुलिस कमिश्नर सुजीत पांडेय ने कहा, इमामबड़ा गुफरानमाब में मजलिस की अनुमति दे दी गई है, लेकिन यहां ज्यादा लोग एकत्र नहीं होंगे। सोशल डिस्टेंसिंग का पालन किया जाएगा। अकीदतमंदों को मास्क लगाना होगा व सैनिटाइजर या साबुन से हाथ भी साफ करने होंगे। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि सरकार ने लखनऊ में मुहर्रम और अजादारी की मुख्य मजलिसों पर लगी रोक को खत्म कर दिया है। इमामबाड़ों में मजलिस की अनुमति प्रदान कर दी है। ताजिया रखने और हदिया करने की भी अनुमति मिल गई है। इसके अतिरिक्त किसी भी प्रकार के जुलूस की कोई अनुमति नहीं है। सीपी सुजीत पांडेय ने बताया कि शहर के मुख्य मार्गों पर सबीले नहीं लगेंगी। केवल सील बंद बोतल बांटी जा सकेंगी। घरों मे सोशल डिसटेंसिंग का ख्याल रखते केवल परिवार वालों के बीच पूर्व की भांति अजादारी हो सकेगी। लखनऊ पुलिस कमिश्नर ने बताया कि कोविड-19 के सभी दिशा निर्देशों का अनुपालन और सैनिटाइजेशन अनिवार्य है। पूरे प्रदेश इन्हीं गाइडलाइन का पालन करते हुए मुस्लिम समुदाय के लोग मुहर्रम मना सकेंगे। मुहर्रम पर सख्ती और रोक-टोक को लेकर सपा मुखिया अखिलेश यादव ने प्रदेश सरकार और प्रशासन पर हमला बोला है।

योगी सरकार को नहीं पता यूपी में कितने हैं भूमिहीन मज़दूरः अजय कुमार लल्लू

❑ सरकार ने पुराने आंकड़ों का दिया हवाला, कहा - आबादी का 44.45 प्रतिशत भूमिहीन मज़दूर ❑ सुप्रीम कोर्ट के आदेश की अवमानना, बीजेपी सरकारों ने नहीं किया पंजीयन ❑ सपा, बसपा की सरकारों ने केवल जातिवादी राजनीति की, मज़दूरों को दिया धोखा-अजय कुमार लल्लू

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने भूमिहीन मज़दूरों के मुद्दे पर योगी सरकार पर तीखा हमला बोला है। विधानसभा के दूसरे सत्र में लल्लू ने भूमिहीन मजदूरों की जिलावार संख्या और उनको समाजिक सुरक्षा देने के मुद्दे पर, श्रम मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्या से सवाल पूछा था। लेकिन योगी सरकार की ओर से जो जवाब मिला, उस पर अजय लल्लू ने हैरानी जताई है। जिलावार संख्या वाले प्रश्न के जवाब में योगी सरकार ने कहा कि चूंकि विशिष्ट भूमि सर्वेक्षण नहीं हुआ है इसलिए मज़दूरों की निश्चित संख्या नहीं बताई जा सकती। फिर, पुराने आंकड़ों का हवाला देते हुए बीजेपी सरकार ने कहा कि भूमिहीन मज़दूरों की आबादी प्रतिशत के लिहाज से 44.45 त्न है। इसका मतलब यह है कि यूपी की कुल आबादी लगभग आधा हिस्सा बिना ज़मीन के है। श्री अजय कुमार लल्लू का कहना है कि यह मुद्दा योगी सरकार के लिए शर्म का विषय तो है ही, बीजेपी की पूर्ववर्ती समाजवादी और बहुजन समाजवादी पार्टी की सरकारों ने क्या किया था ? इसका भी जवाब चाहिए। गौरतलब है कि भूमिहीन मज़दूरों का ज्यादातर हिस्सा छोटी और पिछड़ी जातियों से मिलकर बनता है। मतलब साफ है कि न बसपा, न सपा, न बीजेपी किसी को मज़दूरों की परवाह नहीं है। सब अपनी-अपनी तिजोरी भरने में लगे हैं। उन्होंने कहा कि वह स्वयं एक मज़दूर रह चुके हैं इसलिए मज़दूरों की व्यथा को अच्छे से समझते हैं। उन्होंने बीजेपी की केन्द्र और राज्य सरकारों पर सुप्रीम कोर्टी की अवमानना का आरोप लगाया। सुप्रीम कोर्ट ने 2018 में मोदी सरकार को निर्देश दिया था कि मॉड्यूल तैयार करके राज्य सरकारों को दिया जाए जिससे मज़दूरों का असंगठित कर्मचारियों के रूप में पंजीयन किया जा सके। अजय कुमार लल्लू द्वारा पूछे गए सवालों के जवाब में उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने लिखित में कहा है कि केन्द्र की मोदी सरकार ने जून 2020 तक मॉड्यूल उपलब्ध ही नहीं कराया, तो पंजीयन का काम कैसे हो। बीजेपी सरकारों के काम करने के रवैये पर तीखी नराज़गी जताते हुए अजय कुमार लल्लू ने कहा कि चाहे योगी हों या मोदी - बीजेपी की सरकारें मज़दूर विरोधी है। उन्होंने ने कहा कि राहुल गांधी ऐसे ही मोदी सरकार को सूट बूट और लूट की सरकार नहीं कहते हैं। अजय कुमार लल्लू ने मांग की है कि भूमिहीन मज़दूरों का असंगठित कर्मचारियों के रूप में पंजीयन जल्द से जल्द शुरु कराया जाए ताकि प्रदेश की आधी आबादी को समाजिक सुरक्षा प्रदान की जा सके।

रोटी गाँव मे स्वास्थ्य टीम ने किया डोर टू डोर सर्वे

जहानाबाद, फ्तेहपुर । अमौली ब्लॉक के रोटी गाँव मे आज सीएचसी अमौली की स्वास्थ्य टीम ने डोर टू डोर सर्वे किया। थाना क्षेत्र के रोटी गाँव मे कुछ दिनों से संक्रमण फैला हुआ है, जिसके कारण घर-घर चारपाई बिछी हुई है। अजीबो गरीब बुखार से महिलायें, बच्चे, बूढ़े बीमार है। पिछले कुछ दिनों से बीमारी का कहर इस कदर बढ़ा हुआ है कि घर-घर चारपाई बिछ गई है।

जब संक्रमित लोगो की संख्या अचानक से बढ़ी तो शुक्रवार को स्वास्थ्य महकमा जागा और सीएचसी प्रभारी डा0 पुष्कर कटियार के नेतृत्व में स्वास्थ्य टीम ने घर-घर जाकर सर्वे किया। आज कुल 52 घरों में सर्वे किया गया जिसमे कुल 58 मरीज मिले जिनमे से 17 बुखार, 06 सर्दी जुकाम, बदन दर्द और कमजोरी के 25 और अन्य 12 मरीज मिले। स्वास्थ्य टीम ने 13 मरीजो की मलेरिया की स्लाइड और 04 मरीजो के डेंगू के सैम्पल एकत्रित किए। डॉक्टर कटियार ने ग्राम प्रधान व नागरिकों से साफ सफाई रखने के लिए विशेष अपील किया है। जल्द ही गांव में स्वास्थ्य टीम के द्वारा फॉगिंग भी कराई जाएगी। स्वास्थ्य टीम में डा0 श्याम, डा0 सुनील, फार्मेसिस्ट विनोद कुमार, आशा बहु रामक्रांति, जय प्रकाश, शैलेन्द्र इत्यादि स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे।

भारी बरसात से देर रात्रि कमरे की छत धराशाही,कमरे में सोया परिवार मलबे में दबा

अबोहर, 21 अगस्त (पूर्ण चंद फाजिल्का)। गत दिवस हुई भारी बरसात बीती रात जमूबस्ती निवासी एक परिवार पर उस समय कहर बनकर आई जब देर रात्रि पूरा परिवार एक कमरे में सोया हुआ थातो उनके कमरे की छत अचानक नीचे आ गिरी और परिवार के दो मासूम बच्चों की दर्दनाक मौत हो गई जबकि मृतक बच्चों के माता पिता, एक भाई व छोटी बहन भी बुरी तरह से घायल हो गए। सभी घायलों को ईलाज के लिए सरकारी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है और मृतक बच्चों के शवों को नर सेवा नारायण सेवा समिति के सदस्य बिटटू नरूला व रवि कुमार के सहयोग से सरकारी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। जानकारी के अनुसार गत दिवस आई भारी बरसात के बाद जमू बस्ती निवासी रिंकू पुत्र रोशन, उसकी पत्नी चमेला रानी, 12 वर्षीय बेटी निशा, 10 वर्षीय बेटा अमन, 8 वर्षीय बेटा साहिल व 4 वर्षीय बेटी मनी आंगन में सोए हुए थे रात्रि करीब 2 बजे जब फिर से बूंदाबांदी शुरू हुई तो उक्त परिवार अपने कमरे में सोने के लिए चला गया तो अचानक उनके कमरे की छत नीचे आ गिरी और पूरा परिवार मलबे में दब गया, इस घटना में निशा और अमन की मौके पर ही मौत हो गई जबकि उनके माता पिता रिंकू व चमेला की लातें टूट गई और उनके बेटे साहिल व मनी भी बुरी तरह से घायल हो गए। उनका शोर सुनकर आसपास के मोहल्लवासी एकत्र हुए और तुरंत उन्हें बाहर निकालने का कार्य किया। लोगों ने 108 ऐबूलेंस के माध्यम से घायलों को अस्पताल पहुंचाया।

इधर इस बेहद दुखद हादसे का समाचार सुन भाजपा विधायक अरूण नारंग के बेटे करण नारंग, मंडल प्रधान अशोक छाबड़ा, पूर्व पार्षद हरचरण सिंह पप्पू, पार्षद बलवंत सिंह, गुरनाम सिंह और भाजपा नेत्री बलविंदर कौर मौके पर पहुंचें और उनके परिजनों संग दुख सांझा करते हुए सरकार से मृतक बच्चों के लिए मुआवजे तथा घायल हुए बच्चों का ईलाज फ्री करवाने की मांग की। इधर दूसरी ओर सूचना मिलने पर कांग्रेसी युवा नेता रिची व महिला विंग प्रधान जसवीर कौर भी मौके पर पहुंचें और खुद नर सेवा नारायण सेवा समिति की मदद से मृतक बच्चों के शवों को बाहर निकलवाया। रिची ने घटना की सूचना से संदीप जाखड़ को अवगत करवाते हुए घायल हुए लोगों का इलाज फ्री करवाने की अपील की, जिस पर संदीप जाखड़ ने अस्पताल प्रबंधन से उनके इलाज की प्रक्रिया शुरू करवाई।

सुदीक्षा भाटी के परिजनों से कांग्रेस प्रतिनिधि मंडल ने की मुलाकात

गौतमबुद्ध नगर/लखनऊ। अखिल भारतीय कांग्रेस पार्टी की महासचिव श्रीमती प्रियंका गांधी के निर्देश पर कांग्रेस का प्रतिनिधि मंडल आज सुदीक्षा भाटी के परिजनों से मुलाकात की। प्रतिनिधि मंडल ने सुदीक्षा के परिजनों को महासचिव द्वारा लिखित शोक पत्र देकर अपनी दुःखद संवेदना प्रकट की। प्रतिनिधि मंडल में राष्ट्रीय सचिव रोहित चौधरी, प्रदेश उपाध्यक्ष पंकज मलिक, महासचिव विरेंदर गुड्डू, विदित चौधरी, ओमवीर यादव, मनोज चौधरी, शयोपाल सिंह, डॉक्टर महेन्द्र नागर, दीपक चोटीवाला, राजेंद्र अवाना, परसोत्तम नागर, ललित अवाना, अशोक शर्मा, अजीत दोला ,सतीश शर्मा ,संजीव शर्मा आदि लोग शामिल थे। प्रतिनिधि मंडल ने सुदीक्षा के परिजनों को 5 लाख रुपये की आर्थिक मदद की। महासचिव श्रीमती प्रियंका गांधी ने सुदीक्षा के परिजनों के नाम लिखे अपने पत्र कहा है कि आपकी बेटी सुदीक्षा भाटी के साथ घटी घटना एवं उनकी मृत्यु की खबर ने मुझे झकझोर कर रख दिया। सुदीक्षा बेहद होनहार और बहादुर लड़की थी। मैंने उनके कुछ भाषण सुने। सुदीक्षा लड़कियों को होने वाली दिक्कतों को दिल से अनुभव करती थीं। उनके दिल में लड़कियों की शिक्षा और अपने परिवार को लेकर एक जज्बा था। इसी जज्बे के चलते उन्होंने पूरी दुनिया में भारत का नाम रोशन किया। उन्होंने पत्र में लिखा है कि मैं समझ सकती हूं कि ये आपके व आपके पूरे परिवार के लिए असीम दुख की घड़ी है। मैं आपको भरोसा दिलाना चाहती हूं कि आप सुदीक्षा के लिए न्याय की लड़ाई में खुद को अकेला मत समझिएगा। हम सब आपके साथ पूरी मजबूती से खड़े हैं। प्रतिनिधि मंडल के सदस्यों ने कहा कि सुदीक्षा के इंसाफ की लड़ाई लड़ने के लिए कांग्रेस पार्टी प्रतिबद्ध है। यह न्याय की लड़ाई मजबूती से लड़ा जाएगा।

एसडीएम की निगरानी में चला अवैध अतिक्रमण हटाओ अभियान

अमौली, फ्तेहपुर । कस्बा में नायब तहसीलदार बिंदकी के नेतृत्व में जेसीबी से अवैध कब्जा हटाया गया और इसमें मुख्य रूप से ऐतिहासिक बड़े तालाब के एक दर्जन से ज्यादा अस्थाई निर्माण गिराए गए। साथ ही मुख्य बाजार में स्थित एक दर्जन से ज्यादा लोहे की गुमटियों को ध्वस्त किया गया। अमौली में ग्राम सभा की भूमि एवं तालाब की भूमि से अवैध अतिक्रमण को उपजिलाधिकारी बिंदकी आशीष कुमार द्वारा स्थानीय पुलिस बल की उपस्थिति में हटवाया गया तथा सरकारी भूमि को सुरक्षित किया गया। ज्ञातव्य रहे कि पूर्व में जिलाधिकारी संजीव सिंह द्वारा निरीक्षण के समय अतिक्रमण को चिन्हित कर हटवाए जाने हेतु निर्देशित किया गया था, जिसके क्रम में सभी अतिक्रमणकर्ताओं को पूर्व में अवैध अतिक्रमण हटाने हेतु राजस्व प्रशासन द्वारा नोटिस जारी किया गया था, किंतु उनके द्वारा अतिक्रमण नहीं हटाया गया था। सभी अतिक्रमणकर्ताओं के विरुद्ध क्षतिपूर्ति वसूली की भी कार्यवाही की जाएगी।

बाढ़ क्षेत्र का सांसद ने किया निरीक्षण कर वितरित की राहत सामग्री

रामनगर / बाराबंकी। सांसद उपेंद्र सिंह रावत ने बाढ़ क्षेत्र का निरीक्षण कर पीड़ितों का हाल चाल जाना और संबधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि बाढ़ पीड़ितों की हर संभव मदद की जाये उनको कोई परेशानी ना होने पाये।वही तहसील रामनगर क्षेत्र के ग्राम मड़ना,चचरी और सिलौटा के 688 बाढ़ प्रभावित परिवारों को चौकाघाट रेलवे स्टेशन पर बाढ़ राहत सामग्री वितरित की।इस अवसर पर उपजिलाधिकारी डॉ जितेंद्र कटियार, तहसीलदार रामदेव निषाद ,मण्डल अध्यक्ष महादेवा शैलेन्द्र प्रताप सिंह, राजस्व निरीक्षक हर्षित पांडे, लेखपाल गण चंदन रावत, नूर मोहम्मद ,आशुतोष , अंशुमान संग्रह अमीन प्रदीप सिंह मधुकर मिश्रा रवि शंकर अवस्थी यशपाल सिंह तथा पवन मौजूद रहे।

सदर थाना पुलिस ने लूटपाट करने वाले तीन आरोपी काबू किया

❑ एक नाबालिग आरोपी को ज्वैलाईन कोर्ट में पेश किया

अबोहर, 21 अगस्त (पूर्ण चंद फाजिल्का)। सदर थाना अबोहर के प्रभारी गुरविंद्र सिंह, एएसआई गुरमेल सिंह व अन्य पुलिस पार्टी ने आलमगढ़ व धर्मपुरा के बीच लूटपाट करने वाले तीन आरोपी जसपाल पुत्र जसविंद्र सिंह वासी गली नं.7 पंजपीर नगर व धर्मिंद्र सिंह पुत्र कश्मीर सिंह गली नं.10 पंजपीर नगर, मनदीप सिंह पुत्र दलीप सिंह वासी पंजपीर नगर को काबू करने में सफलता हासिल की है। इस मामले में जसपाल सिंह पुत्र बलविंद्र सिंह को नाबालिग होने के कारण फाजिल्का की ज्वैलाईन कोर्ट में पेश किया गया। कोरोना रिपोर्ट आने पर उन्हें जेल भेजा जायेगा। इस मामले में दो आरोपी धर्मेंद्र सिंह व मनदीप सिंह को न्यायाधीश मैडम मेघा धारीवाल की अदालत में पेश किया गया। योग्य न्यायाधीश ने उन्हें पूछताछ के लिए 2 दिन रिमांड पर भेज दिया। कोरोना टैस्ट करवाने के निर्देश दिये।

मिली जानकारी अनुसार सदर थाना पुलिस ने डाक्टर शीशपाल पुत्र हंसराज वासी आलमगढ़ के बयानों के आधार पर उसपर बंदूक तानकर लूटपाट करने के आरोप में मुकदमा नं. 119, 17.08.2020 भांदस की धारा 379बी 34 आईपीसी के तहत विजय कुमार उर्फ रीतू पुत्र जगसीर सिंह, जसपाल पुत्र जसविंद्र सिंह वासी गली नं.7 पंजपीर नगर व धर्मिंद्र सिंह पुत्र कश्मीर सिंह गली नं.10 पंजपीर नगर, मनदीप सिंह पुत्र दलीप सिंह वासी पंजपीर नगर के खिलाफ मामला दर्ज किया था। शीशपाल ने बताया कि वह धर्मपुरा से 16 तारीख को आलमगढ़ आ रहा था कि इतने में उक्त चारों युवकों ने बंदूक की नोक पर 27 हजार रूपये व एक अंगूठी छीन ली थी। इस मामले में अब पुलिस ने मामला दर्ज करने के बाद तीन आरोपियों को काबू करने में सफलता हासिल की है।

ग्रामीण क्षेत्र में किसानों के खेत की मिट्टी मृदा परीक्षण केंद्र में सिर्फ नमूना

➲ हजारों किसान अपनी माटी की गुणवत्ता की जानकारी से वंचित

अवध में कुछ दशक पहले आम,अमरूद,धान व हरी सब्जियों की खेती में लघु किसान नहीं करते थे कीटनाशक दवाओं का छिडकाव। लखनऊ के मोहनलालगंज ,मलिहाबाद व माल क्षेत्र के हजारों किसान अपनी फसलों के पैदावार बढ़ाने को लेकर काफी चिंतित हैं। लखनऊ जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में मृदा परीक्षण लैब के सदस्य किसानों के खेत के सैंपल लेने आते हैं परन्तु उसमें मौजूद उर्वरक क्षमता व गुणवत्ता के बारे में जानकारी नहीं उपलब्ध कराई जाती है। मलिहाबाद फलपट्टी क्षेत्र व अन्य गेहूं व धान की खेती करनेवाले कृषक अपनी विभिन्न फसलों को लेकर हद से ज्यादा चिंतित हैं। वहीं दूसरी तरफ कृषक वर्ग को अपनी खेती पर फसल के अनुपात में कीटनाशक का छिडकाव अधिक मात्रा में हो रहा है।जिससे पैसों की अधिक बर्बादी हो रही है। लखनऊ में काकोरी के कई हिस्सों में आम के साथ हरी सब्जी की खेती भी होती है। माल मलिहाबाद सिर्फ फलपट्टी तो मोहनलालगंज गेहूं और धान की फसल के लिए मशहूर है। इन सभी इलाकों में वैज्ञानिक आधार द्वारा कीटनाशक दुकानों का जाल बिछा है। फसलों के कीटनाशक फसली कीट के आगे शून्य। वहीं मृदा परीक्षण लैब में पडी हजारों खेतों के शैंपल सिर्फ मिट्टी बनकर रह गए। आखिरकार सवाल यह खडा होता है कृषि प्रधान देश में मिट्टी की गुणवत्ता के विषय में प्रशासन इतना लापरवाह क्यों। अन्नदाता देश की उर्जा का आधार।

पुलिस अधीक्षक मीरजापुर द्वारा थाना कोतवाली शहर का किया गया आकस्मिक निरीक्षण

सम्बन्धित को दिया गया आवश्यक दिशा-निर्देश

मीरजापुर। दिनांक 21.08.2020 को पुलिस अधीक्षक मीरजापुर अजय कुमार सिह के द्वारा थाना को0शहर का आकस्मिक निरीक्षण किया गया । निरीक्षण के क्रम में थाना कार्यालय के विभिन्न अभिलेखों, रजिस्टरों का अवलोकन किया गया, अभिलेख अवलोकनोपरान्त शस्त्रागार, कम्प्यूटर कक्ष, बैरक, भोजनालय, हवालात, बाथरूम आदि का निरीक्षण किया गया, अभिलेखो व शस्त्रागार का रख रखाव संतोजनक पाया गया । थाने पर उपस्थित कर्मचारीगण से उनकी समस्याओं के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त कर उनके निस्तारण हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया । वर्तमान परिप्रेक्ष्य में वैश्विक स्तर पर फैली महामारी कोविड-19 के मद्देनजर साफ-सफाई एवं सुरक्षा के विषय में सावधानी बरतने हेतु बैरकों, भोजनालय व कार्यालय में सोशल डिस्टेंसिंग के अनुसार उचित दूरी रखी जाय तथा कम्प्यूटर कक्ष की चेकिंग के दौरान कम्प्यूटर उपकरणों के रखरखाव हेतु सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया । थाने पर बने कोविड केयर हेल्प डेस्क पर पुलिस अधीक्षक मीरजापुर द्वारा सम्बन्धित से स्वयं की थर्मल स्क्रिनिंग, पल्स ऑक्जीमीटर एवं अन्य उपकरणों की सहायता से की जाने वाली जांचों की स्थिति का अवलोकन किया गया तथा महिला हेल्प डेस्क के कार्यों व अभिलेखो का निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिया गया । थाना परिसर भम्रण के दौरान साफ-सफाई एवं मालो के रखरखाव, निस्तारण हेतु तथा थाना क्षेत्र में लगातार पैदल गश्त/ फुट पेट्रोलिंग करने के निर्देश दिये गये । भूमि विवादों मे समयबद्ध कार्यवाही, वन माफिया, भू माफिया, खनन माफिया, टापटेन अपराधियों के विरुद्ध निरोधात्मक कार्यवाही तथा शिकायती प्रार्थना पत्रो के समयबद्ध निस्तारण, पंजीकृत अभियोगो की विवेचनाओं का त्वरित निस्तारण, मुकदमों मे प्रभावी पैरवी, एन0सी0आर0 के प्रकरणों मे प्रभावी कार्यवाही करते हुए सर्तक दृष्टि रखने व जेल से छूटे हुए अपराधियों का सत्यापन/निगरानी एवं हिस्ट्रीशीटरों/पुराने अपराधियों के गतिविधियों पर सर्तक दृष्टि रखते हुए निगरानी व पॉक्सो एक्ट के मुकदमें की प्रभावी पैरवी करते हुए साक्ष्यों का समयबद्ध न्यायालय में परीक्षण कराकर दोषियों को सजा दिलाने के सार्थक प्रयास किये जाने हेतु निर्देशित किया गया तथा शासन द्वारा चलायें जा रहे अभियान में प्रभावी कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया। इस दौरान पीआरओ पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार ठाकुर, थाना प्रभारी को0शहर रविन्द्र प्रताप यादव, वरिष्ठ उप-निरीक्षक चन्द्रशेखर यादव सहित थानें के अन्य कर्मचारीगण मौजूद रहे।

माल कस्बे में सडक न बनने की वजह से किसानों ने सडक पर किया वृक्षारोपण

भारतीय किसान यूनियन लोकतांत्रिक संगठन ने किया रोड पर वृक्षारोपण

आज दि0--21/08/2020 को भारतीय किसान यूनियन लोकतांत्रिक संगठन के प्रदेश अध्यक्ष मा0 राकेश सिंह चौहान जी के निर्देश पर वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष अतुल कुमार जी के नेतृत्व में माल कस्बे में स्थित माल फल मंडी अपना बाजार को जाने वाली सड़क जो बीस बर्षो से जर्जर हालत में पड़ी है जिसकी शिकायत संगठन के द्वारा कई बार शासन प्रशासन में की गई इसी सड़क को मोहनलालगंज सासंद ने एक बर्ष पहले माल चौराहे पर बनवाने की घोषणा की थी जिसपर आज तक कोई भी कार्य नहीं कराया गया शासन प्रशासन के द्वारा सड़क न बनवाने से किसानों व आम जनमानस को परेशानी का सामना करना पड रहा है आज संगठन के द्वारा नाराज किसानों के साथ उसी सड़क पर वृक्षारोपण कर विरोध व्यक्त किया इसके अलावा क्षेत्र की समस्त जर्जर हालत में जो सडकें है उन पर भी किया जायेगा वृक्षारोपण जिसमें मुख्य रूप से सैदापुर से चंद्रिका देवी रोड व उमरावल से कटियार फार्म से होते हुए पंवाया मार्ग पर जल्द ही वृक्षारोपण कर किसान जताएंगे विरोध और अगर जल्द ही सड़क का कार्य शासन प्रशासन द्वारा नहीं कराया गया तो संगठन विशाल धरना प्रदर्शन करेगा व सासंद मोहनलालगंज कौसल किशोर के आवास का संगठन के द्वारा किया जायेगा घेराव प्रदेश अध्यक्ष जी ने बताया शासन प्रशासन द्वारा किसानों की लगातार की जा रही उपेक्षा अब बर्दाश्त नहीं की जायेगी इस मौके पर असद प्रधान, योगेश यादव, अर्जुन सिंह, प्यारे लाल रावत, सुभाष रावत, संतोष तिवारी,नागेन्द्र यादव, रिन्कू रावत, आशीष समेत दर्जनों की संख्या में किसान साथी मौजूद रहे।

मनोवैज्ञानिक इलाज को भी अन्य बीमारियों की तरह ही महत्व देना पड़ेगा

फिल्म अभिनेता सुशांत सिंह की कथित आत्महत्या और उनके प्रदेश बिहार में आसन्न चुनावों के मद्देनजर एक आत्महत्या भी राजनीतिक चर्चा का विषय बन गई है। मामला यहां तक पहुंच गया है कि सुप्रीम कोर्ट को जांच एजेंसी के चुनाव के मामले में फैसला देना पड़ा। मुंबई में ही सिनेमा जगत से जुड़े बहुत सारे लोगों की आत्महत्याओं की खबर आ रही है। देश के अन्य इलाकों में भी आत्महत्याएं हो रही हैं। जब कोरोना के चलते लॉकडाउन को एक महीने के बाद भी बढ़ाना पड़ा था तो बहुत से मनोविज्ञानिकों ने चेतावनी दी थी कि अपने अपने घरों में अकेले बंद लोगों को चाहिए कि बिल्कुल तनहा न हो जाएं। आना-जाना या लोगों से मिलना-जुलना, सिनेमा, बाजार आदि तो सब बंद था। लेकिन फोन से ही अपने इष्ट मित्रों से संपर्क बनाये रखना उपयोगी था। यह भी आगाह किया गया था कि किसी मित्र की भावनाओं को आहत न किया जाए क्योंकि अगर भावनाएं आहत होंगीं तो आदमी डिप्रेशन का शिकार हो सकता है।मीडिया में आ रही सुशांत राजपूत की मृत्यु की घटनाओं के क्रम को देखा जाए तो वहां भी कुछ ऐसा ही लग रहा है। एक घनिष्ठ मित्र उनका साथ छोड़कर चली गई जिसके पूरे परिवार को वे अपना परिवार मान बैठे थे।

उनका फोन लेना बंद कर दिया क्योंकि उनको ब्लॉक कर दिया था। सुशांत के पिता का आरोप है कि उनकी मित्र और उनके परिवार ने उनसे भारी आर्थिक मदद भी ली थी। अगर यह आरोप सच है तो डिप्रेशन और पछतावा का सीधा मामला बनता है। सच्चाई क्या है वह तो जांच में पता लगेगी लेकिन महानगरीय जीवन जीने वालों के बीच आत्महत्या के प्रमुख कारणों में निराशा और डिप्रेशन की भूमिका महत्वपूर्ण तो है ही, बहुत ही ऊंचे लक्ष्य तय करके उनको हासिल करने के प्रयास के दौरान होने वाली निराशा का भी बहुत बड़ा योगदान है। मनुष्य जब अकेला पड़ जाता है तो उसे अपना जीवन समाप्त करने की ललक मुक्ति का साधन लगती है। यह दोषपूर्ण तर्क पद्धति है, इससे बचना चाहिए...। बंगलोर में कोरोना, तनहाई, निराशा और ऊंचे लक्ष्य की और पहुंचने की कोशिश कर रहे एक नौजवान की आत्महत्या के मामले ने उसके मित्रों और परिवार वालों में शोक की लहर दौड़ा दी है। बंगलोर का इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफसाइंस देश का सर्वश्रेष्ठ शिक्षा और शोध का केंद्र माना जाता है। वहां प्रवेश पाना ही अपने आप में किसी भी छात्र के मेधावी होने का प्रमाण है। अभी खबर आई है कि वहां पढ़ रहे एम टेक के एक छात्र ने आत्महत्या कर ली है। बताया गया है कि छत्तीसगढ़ के रहने वाले उस छात्र ने अपने कुछ दोस्तों को फोन पर मेसेज भेजा कि उसको अपने अन्दर कोविड-19 के कुछ लक्षण दिख रहे हैं। जाहिर है अब जीवन का अंत होने वाला है इसलिए मैं खुद ही अपने आपको खत्म कर दूंगा। इस तरह के सन्देश उसके कई दोस्तों को मिले। दोस्त घबरा गए। अपने तरीके से उसको रोकने की कोशिश करने लगे। उनमें से एक ने संस्थान के अधिकारियों से संपर्क किया और उनको जानकारी दी। लेकिन जब संस्थान के कर्मचारी उस लड़के के हॉस्टल के कमरे में पहुंचे तब तक बहुत देर हो चुकी थी। उसने फांसी लगा ली थी। वह तो चला गया लेकिन उसने एक बार उन सवालों को फिर से जिंदा कर दिया है जो बार-बार पूछे जाने चाहिए। पूछे भी गए हैं लेकिन जवाब नहीं आता। यह सवाल सरकार से नहीं पूछे जाने चाहिए। यह सवाल समाज से, मीडिया से, परिवार से, स्कूलों से, मित्रों से और बहुत ऊंचे सपने पालने वाले मिडिल क्लास से पूछे जाने चाहिए। बंगलौर के साइंस इंस्टीट्यूट के छात्र की आत्महत्या का सवाल तो सीधे-सीधे मीडिया, खास तौर से टेलिविजन मीडिया की तरफ ही केन्द्रित है। जब से कोरोना का संकट शुरू हुआ है, टीवी स्क्रीन पर कोरोना के आतंक की लगातार बमबारी चल रही है, वह लोगों के मन में दहशत फैला चुका है।

लोगों के दिमाग में यह बात भर दी गई है कि कोरोना की छूत लगते ही मौत की उल्टी गिनती शुरू हो जाती है। जबकि यह सच नहीं है। कोरोना के वायरस के हमले के बाद बहुत सारे लोग ठीक होकर घर आ गए हैं। यह बताया जाना जरूरी है कि कोविड-19 भी एक तरह का वायरल जुकाम है। लोग कहते थे कि जुकाम की दवा करो तो सात दिन में ठीक होता है और अगर दवा न करो तो एक हफ्ते में लग जाते हैं। शरीर के अंदर जो रोगप्रतिरोधक या इम्युनिटी की क्षमता है वह उसके संक्रमण को निष्क्रिय करने में सक्षम है। मैं ऐसे कई मामले जानता हूं जहां किसी संक्रमित व्यक्ति के संपर्कों की जांच के सिलसिले में कुछ मामले ऐसे पाए गए जिनको कोरोना संक्रमण कुछ समय पहले हो चुका था और वे ठीक भी हो चुके थे। यह बातें केस स्टडी के जरिये किसी भी चौनल ने नहीं चलाया। जबकि इससे माहौल थोड़ा हल्का हो सकता था। अगर इस तरह के मामले भी हाईलाईट किये गए होते तो कोरोना की जो दहशत फैली है वह उस रूप में न फैली होती। कोरोना के संक्रमण के बाद ठीक होने वालों की संख्या मरने वालों की संख्या से बहुत ज्यादा है। सत्ता के सर्वोच्च मुकाम पर बैठे गृहमंत्री अमित शाह को भी कोरोना संक्रमण हो गया था और वे ठीक होकर अस्पताल से घर आ गए। ऐसे बहुत सारे मामले हैं। बंगलोर के उस छात्र को इन सभी सूचनाओं को आत्मसात करना चाहिये था जिससे उसके अन्दर निराशा कभी न आती। लेकिन उसने कठिन रास्ता अपना लिया। अधूरी सूचना के आधार पर होने वाली आत्महत्याओं की संख्या कम नहीं है। इसलिए अधूरी सूचना के प्रचार प्रसार को उत्साहित नहीं किया जाना चाहिए। अभी एक दूसरी आत्महत्या की सूचना मिली है। मेरे बहुत ही करीबी परिवार के अठारह साल के बच्चे ने आत्महत्या कर ली है। लड़का आईआईटी की प्रवेश परीक्षा की तैयारी कर रहा था। बारहवीं की परीक्षा में बहुत अच्छे नंबर आये थे। मार्च से ही अपने घर में रहकर पढ़ाई-लिखाई चल रही थी। लॉकडाउन के चलते बाहर निकलकर खेलना बंद था। अपने हमउम्र बच्चों से मिलना-जुलना भी नहीं हो रहा था। परिवार में उच्च शिक्षा का माहौल था। उसके पिता और बाबा की पीढ़ी में परिवार के लोग बड़े पदों पर थे। सब लोगों ने बिना किसी दबाव के पढ़ाई लिखाई की थी। उसके माता-पिता ने उसको किसी तरह का टारगेट नहीं दिया था लेकिन साथ पढ़ने वाले लड़कों से स्पर्धा का भाव जबरदस्त था, स्कूल के अधिकारी भी इंजीनियरिंग और मेडिकल में अपने छात्रों की सफलता की गाथा बनाने के लिए उत्साहित करते रहते थे। लड़के की जिन्दगी में कहीं किसी तरह की निराशा नहीं थी। उसके पिताजी के भाई-बहन पूरे देश में रहते हैं। उसकी अपनी चचेरी, ममेरी, फुफेरी बहनें उसे राखी बांधती थीं। देश के लगभग सभी बड़े शहरों में उसके भाई-बहन रहते हैं। लेकिन उस लड़के ने आत्महत्या कर ली। बात समझ में नहीं आती है। ऐसा क्यों हुआ। उसको समझने के लिए आज से करीब अठाईस साल पहले अपने देश में शुरू हुई आर्थिक उदारीकरण और भूमंडलीकरण की नीतियों के उपजे अवसर और महत्वाकांक्षाओं पर एक नजर डालनी होगी। इन नीतियों के भारत में लागू होने के बाद भारत बाकी दुनिया से बरास्ता इंटरनेट जुड़ गया और ग्लोबल विलेज की अवधारणा में समाहित हो गया। इस अवधारणा के जन्म के बाद आज महत्वाकांक्षी बच्चों के सामने जो लक्ष्य मुंह फाड़कर खड़े हो जाते हैं वे उनको कहीं का नहीं छोड़ते। उन लक्ष्यों को पकड़ से बाहर जाता देख वे फिर से लड़ने की तैयारी नहीं करते और कई स्थानों से उनकी आत्महत्या की खबरें आती हैं।

सम्पादकीय

प्रियंका की बात पर अमल का सवाल

दो अमेरिकी लेखकों को कोई साल भर पहले दिये साक्षात्कार में प्रियंका गांधी की जिस बात ने कांग्रेस और देश की राजनीति में हलचल पैदा कर दी है, वह न तो नयी है, न चौंकानेवाली. तो भी, चूंकि बात नेहरू-गांधी परिवार की 'इंदिरा-जैसी' बेटी की है और कांग्रेस के नये अध्यक्ष के बारे में हैं, इसलिए कांग्रेस और 'परिवार' फिर जेरे-बहस है. प्रियंका का कथन है कि 'मैं राहुल की इस राय से सहमत हूं कि किसी गैर-गांधी को कांग्रेस का नया अध्यक्ष होना चाहिए.' इतना और जोड़ा है कि 'कांग्रेस को अपना रास्ता तलाशना होगा.' भारतीय मूल के दो अमेरिकी लेखकों प्रदीप छिब्बर और हर्ष शाह की पुस्तक 'टुमॉरोज इंडियारू कंवरसेशंस विद नेक्स्ट जनरेशन ऑफ पॉलिटिकल लीडर्स' में प्रियंका का यह कथन प्रकाशित हुआ है. पिछले चुनाव में भारी पराजय के बाद कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने सारी जिम्मेदारी अपने सिर लेते हुए अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था. उन्होंने कांग्रेस के बड़े नेताओं पर कुछ आरोप भी लगाये थे कि वे अपने निजी हितों को और अपने बेटों को चुनाव लड़ाने को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हैं और उन्हें जिता भी नहीं पाते हैं. उसी बैठक में राहुल ने कहा था कि 'कांग्रेस का नया अध्यक्ष हमारे परिवार से बाहर का चुना जाना चाहिए.' मई, 2019 की उस बैठक में उपस्थित प्रियंका गांधी ने भाई के बचाव में कहा था कि हार के लिए किसी एक व्यक्ति को ही उत्तरदायी नहीं ठहराना चाहिए और राहुल की इस बात से सहमति जतायी थी कि पार्टी का नया अध्यक्ष गांधी परिवार से बाहर का हो. प्रियंका की यही बात उक्त पुस्तक में है. अब जब सोनिया गांधी का कार्यवाहक अध्यक्ष का कार्यकाल समाप्त हो रहा है और राहुल गांधी के पुनरू अध्यक्ष बनने की संभावनाओं पर चर्चा हो रही है, तो प्रियंका का यह पुराना कथन प्रासंगिक हो जाता है. पहले राहुल की जगह प्रियंका के अध्यक्ष बनने की अटकलें लगती रहती थीं. वह सदा इनकार करती रहीं. इस बयान के बाद और साफ हो गया कि वे कमान नहीं संभालेंगी. कांग्रेस के भीतर इस पद की महत्वाकांक्षा पाले नेताओं की कमी नहीं है, लेकिन आज तक किसी ने सामने आने का साहस नहीं किया. स्वतंत्रता के पश्चात जो असंभव-सा माना जाता रहा है- क्या कोई गैर-गांधी सचमुच कांग्रेस के सर्वोच्च पद पर बैठेगा? यही सबसे बड़ा सवाल है. साठ के दशक से ही कांग्रेसियों की समस्या यह रही कि वे पूरी तरह नेहरू-गांधी वंश पर आश्रित हो गये.

इंदिरा गांधी के बाद तो यह संभावना ही नहीं रही कि परिवार के बाहर का कोई अध्यक्ष बनने की सोच सकता है. राजनीति में आने के लिए सर्वथा अनिच्छुक राजीव गांधी को लाया जाना और उनकी दुर्भाग्यपूर्ण हत्या के बाद कांग्रेसियों की आतुर 'सोनिया-सोनिया' पुकार में यह लाचारी प्रकट होती रही. सोनिया ने 2004 में प्रधानमंत्री पद का त्याग किया, लेकिन कांग्रेस और यूपीए की प्रमुख वे बनी रहीं. राहुल के इस्तीफे के बाद कार्यवाहक अध्यक्ष भी बिना किसी आनाकानी के बन गयीं. गौरतलब है कि राहुल और प्रियंका की इस सहमति के बाद भी, कि पार्टी का अध्यक्ष कोई गैर-गांधी बने, सोनिया ने इस बारे में कभी मुंह नहीं खोला. लगता नहीं कि वे इस राय से सहमत हैं. मान लिया कि अब सोनिया भी 'परिवार से बाहर के अध्यक्ष' की बात कह दें, तो क्या पार्टी को एक रखते हुए कांग्रेसी अपने बीच से नेता चुनने का साहस दिखा पायेंगे! कांग्रेस आज जहां है, उसके संकेत राजीव गांधी की चमत्कारिक विजय और 'मिस्टर क्लीन' छवि के बावजूद 1985 से ही दिखने लगे थे. उन्होंने स्वयं मुंबई में पार्टी के शताब्दी अधिवेशन में कहा था कि कांग्रेस दलालों की पार्टी बन गयी है. उनका वादा था कि वे उसे दलालों के चंगुल से मुक्त करके जनता से जोड़ेंगे. विडंबना ही है कि राजीव सर्वथा असफल रहे, बल्कि उसी परंपरा के वाहक बने. यह निरंतर खोखली होती कांग्रेस का सौभाग्य ही था कि तब से लेकर 2014 तक उसे किसी अखिल भारतीय प्रतिद्वंद्वी की चुनौती नहीं मिली. बेमेल गठबंधनों के प्रयोगों की असफलता के बाद वह बार-बार सत्ता में लौट आती रही. आज उसे ऐसे नेता की आवश्यकता है जो उसमें प्राण फूंक सके, कांग्रेसी-मूल्यों की पुनर्स्थापना करके जनता को बेहतर विकल्प के प्रति आश्वस्त कर सके और नरेंद्र मोदी की टक्कर में खड़ा हो सके. नेतृत्व कौशल के धनी कई कांग्रेसी होंगे, लेकिन क्या पार्टी गांधी परिवार की तरफ टकटकी लगाना छोड़ेगी? सक्षम नेतृत्व के अभाव के कारण ही कई प्रतिभाशाली युवा कांग्रेस की डगर-मगर नाव से छलांग लगा चुके हैं. कांग्रेस के विरुद्ध भाजपा का सबसे बड़ा आरोप परिवारवाद ही है. इंदिरा गांधी की तरह नेतृत्व की चमत्कारिक क्षमता हो, तो इस आरोप की धार कुंद हो जाती, लेकिन राहुल यह साबित नहीं कर सके. परिवार से बाहर नेतृत्व तलाशने में कांग्रेसियों को सबसे बड़ी आशंका पार्टी के बिखर जाने की है. इस भय से उबरने का यही सबसे उचित समय है. कांग्रेस को अपने अस्तित्व के लिए और देश को सशक्त विपक्ष के लिए इसकी बहुत आवश्यकता है. लाख टके का प्रश्न फिर यही कि राहुल और प्रियंका की राय पर अमल कैसे होगा?

बढ़ते खतरे से लड़कर जीतेंगे हम

कोविड-19 दुनिया को एक नया अनुभव देने वाली महामारी साबित हुई है। इसका पहला मामला पिछले साल के आखिरी हफ्तों में वुहान में दर्ज किया गया था, और अब तक बीते आठ महीनों में देश-दुनिया में इसके कई हॉटस्पॉट बन गए हैं। चीन से निकलकर यह वायरस यूरोप पहुंचा, और अब एशियाई देशों में इसका संक्रमण शीर्ष पर पहुंचता दिख रहा है। भारत इससे खासतौर से प्रभावित है। रोजाना नए मामलों के लिहाज से हम सबसे ऊपर तो हैं ही, संक्रमित मरीजों की संख्या के हिसाब से भी हम शीर्ष देशों में शामिल हैं। हालांकि, ठीक होने वाले मरीजों की संख्या भी तेजी से बढ़ रही है और रिकवरी रेट 70 फीसदी से अधिक हो चुकी है। वैक्सीन के तीसरे चरण का परीक्षण भी बस शुरू होने वाला है। तो क्या कोरोना वायरस के दिन जल्द ही लदने वाले हैं? इसका जवाब तलाशने से पहले यह जानना जरूरी है कि अब तक हमने इसका किस तरह मुकाबला किया है?

अपने यहां मई तक संक्रमित मरीजों की संख्या बहुत ज्यादा नहीं थी। कहा जाता है कि लॉकडाउन के खुलने के बाद मामले तेजी से बढ़ने लगे। हालांकि, यहां मृत्यु-दर हमेशा से कम रही है। शुरुआती दिनों में यह बेशक पांच फीसदी के आसपास थी, लेकिन अब यह घटकर दो प्रतिशत से भी नीचे आ गई है। इसकी तुलना अगर टीबी से मरने वाले मरीजों या बाल मृत्यु-दर से करते हैं, तो काफी उम्मीदें बंधती हैं। टीबी से होने वाली कुल वैश्विक मौत की दो-तिहाई अकेले अपने यहां होती है, जबकि बाल मृत्यु-दर में भी हमारी स्थिति बहुत अच्छी नहीं है। इतना ही नहीं, कोरोना वायरस में मृत्यु-दर सामान्य वायरस जैसी ही है। तब क्यों इसको लेकर पूरे देश में यूं अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया?

दरअसल, दो वजहों से इस वायरस को लेकर डर फैला। एक, संक्रमित करने की इसकी तेज क्षमता और दूसरी, हमारे यहां स्वास्थ्य-सेवाओं की खस्ता हालत। बेशक, संक्रमित करने की इसकी ताकत दूसरे वायरसों से ज्यादा है, लेकिन आम लोग में डर का सबसे बड़ा कारण रहा, हमारा दरकता स्वास्थ्य ढांचा। आज भी भारत में कुल जीडीपी का 1.17 फीसदी हिस्सा ही स्वास्थ्य सेवाओं की बेहतरी पर खर्च किया जाता है। नतीजतन, कोरोना संक्रमण का प्रसार होते ही अस्पताल मरीजों के बढ़ते बोझ से चरमराने लगे। यह स्थिति अब तक सुधरती नहीं दिख रही, जबकि हर वायरल संक्रमण का अपना चक्र होता है और संक्रमण के शिकार हरेक मरीज को अस्पताल जाने की जरूरत नहीं पड़ती।

यहां कहने का आशय यह नहीं है कि कोरोना वायरस हमारे लिए कोई चुनौती नहीं है। बेशक हमें इससे मजबूती से लड़ना है, लेकिन डर का बनता माहौल खतरनाक है। जरूरत आम लोगों में विश्वास बढ़ाने की है, लेकिन भरोसा जगना तो दूर, सरकार के राहत उपायों से खौफ ही अधिक बढ़ता दिखा। मसलन, ऐसी खबरें आईं कि गुणवत्तापूर्ण पीपीई किट (निजी सुरक्षा उपकरण) वरिष्ठ डॉक्टरों को दिए गए, जबकि जूनियर डॉक्टरों या अन्य स्वास्थ्यकर्मियों को अपेक्षाकृत कम गुणवत्ता के उपकरण मिले। उनके काम के घंटों को लेकर भी सवाल उठा, क्योंकि इस किट को लंबे समय तक पहनना एक मुश्किल चुनौती है। इसका अर्थ है कि सरकारों ने कोरोना संक्रमण को थामने के उपाय तो किए, लेकिन लोगों तक सही संदेश पहुंचाने में वे बुरी तरह विफल रहीं। इसी कारण बाजार से सैनिटाइजर और एन-95 मास्क जैसी अनिवार्य वस्तुओं की किल्लत हो गई, और कुछ लोगों ने बिना डॉक्टरी सलाह के फिजूल की दवाइयां निगल लीं।

अच्छी बात है कि अब रिकवरी रेट पर ज्यादा जोर दिया जाने लगा है। यानी, अब मीडिया माध्यमों से सिर्फ संक्रमित मरीजों की संख्या या नए संक्रमण की जानकारी नहीं दी जाती, बल्कि इससे ठीक होने वाले लोगों का जिक्र भी किया जाता है। यह एक अच्छी नीति है। इससे लोगों में भरोसा जगने लगा है कि कोरोना कोई ऐसी बीमारी नहीं, जो सिर्फ उनकी जान ले। इसके मरीज ठीक भी हो सकते हैं। छींकने या खांसते वक्त मुंह ढकने और साफ-सफाई पर विशेष ध्यान रखने जैसे निर्देशों को भी लोगों के सामने इसी तरह पेश करना चाहिए, ताकि उनका डर कम हो। वैसे भी, इस तरह के व्यवहार आमतौर पर बचपन में ही हमें सीखा दिए जाते हैं। हां, अब इस पर गंभीरता से अमल करने की जरूरत है। अनिश्चितता के माहौल को खत्म करना भी जरूरी है। जैसे, एक निजी अध्ययन में मैंने पाया कि कोरोना-हेल्पलाइन नंबर बमुश्किल से काम करते हैं। अव्वल तो यह नंबर उठता नहीं, और अगर कोई उठाता भी है, तो उचित सलाह देने का भरोसा देकर फोन रख देता है। इसी तरह, कुछ राज्य सरकारों ने ऐसी वेबसाइट लॉन्च की, जहां अस्पतालों के खाली बेड की जानकारी ली जा सकती है, लेकिन मुश्किल यह है कि जब तक सूचनाएं वेबसाइट पर दर्ज होती हैं, तस्वीर बदल चुकी होती है, यानी वेबसाइट पर तो अस्पतालों में खाली बेड दिखते हैं, पर असलियत में वे भर चुके होते हैं। इन सबसे भविष्य को लेकर लोगों के मन में कई दुश्चिंताएं पनपीं।

बेशक समस्याएं हैं, पर उनके हल की तरफ कदम बढ़ाने की जरूरत है, न कि मुश्किलों को और गहरा बनाने की। अपने यहां जनवरी के अंत में पहला मामला सामने आया था। बीते छह महीने से अधिक का वक्त गुजर गया है, लेकिन हम यह तय नहीं कर सके कि वायरस किस रूप में आगे बढ़ेगा? हॉटस्पॉट पर ही इसके संक्रमण को रोकने की दरकार थी, जिसमें हम सफल नहीं हो सके। इसीलिए चुनौती अब कहीं ज्यादा गहरी हो गई है।

बहरहाल, उम्मीद बनी हुई है। कोरोना से जंग हम जीत सकते हैं। इसका चरित्र आम वायरस से बहुत अलग नहीं है, इसलिए इसे लेकर नीतियां भी उसी अनुरूप बननी चाहिए। सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देश उन तबकों के हित में ज्यादा हों, जिन्हें अपना पेट पालने के लिए रोजाना घर से बाहर निकलना पड़ता है। इससे उनमें महामारी से लड़ने का आत्मविश्वास पैदा होगा। संक्रमण का यह दौर बहुत जल्दी थमने वाला नहीं है, लिहाजा कोरोना के साथ जीने का तरीका हमें सीखना ही होगा। और, इसमें डर व अनिश्चितता का माहौल दूर करना जरूरी है, तभी हमें सफलता मिलेगी।

नीतीश के सामने विपक्ष की जद्दोजहद

वर्ष 1980 में एक इतिहास रचा गया था, जब मैसाचुसेट्स के सीनेटर जॉन एफ कैनेडी ने तत्कालीन राष्ट्रपति डीडी आइजनहावर के सहयोगी उप-राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन को अमेरिका में पहली बार टीवी पर प्रचारित बहस में पछाड़ दिया था. उसके बाद से टीवी पर होनेवाली बहस पूरी दुनिया में चुनाव अभियानों के सशक्त माध्यम के रूप में उभरी.

अगर तय समय के अनुरूप बिहार में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होता है, तो चुनाव अभियान का एक नया स्वरूप 'वर्चुअल कैंपेनिंग' उसके केंद्र में होगा. सफल होने पर यह भारत में चुनावों की दिशा बदल देगा. गृहमंत्री अमित शाह ने 7 जून को एक वर्चुअल रैली को संबोधित किया था. कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी पार्टी के नेताओं के साथ वर्चुअल संवाद किये हैं. वहीं, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाले जनता दल (यूनाइटेड) ने भी 7 अगस्त को वर्चुअल रैली करने की योजना बनायी थी, हालांकि उसे स्थगित कर दिया गया. चूंकि, डिजिटल उपयोगकर्ताओं का बड़ा समूह तैयार हो गया है, इसलिए ऐसे वर्चुअल अभियान संभव हैं. इससे पूरे भारत में 50 करोड़ से भी अधिक लोगों के जुड़े होने का अनुमान है. जैसा कि अभी हाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बताया, उनमें से अधिकांश लोग ग्रामीण क्षेत्रों के हैं. बिहार की आबादी का बड़ा हिस्सा मुख्यतः ग्रामीण क्षेत्रों में रहता है. भारत में इंटरनेट का उपयोग करने के मामले में लैंगिक संतुलन बरकरार है और उसमें महिलाओं का अच्छा-खासा हिस्सा है. यह तेजी से बदलाव की स्थिति को दर्शाता है. लालू प्रसाद के दौर में जब शरद पवार पटना आये थे, तो उन्हें यह जान कर धक्का लगा था कि पटना में सिर्फ100 इंटरनेट कनेक्शन थे, जबकि उनके निर्वाचन क्षेत्र बारामती में ही 12,000 कनेक्शन थे, लेकिन अब डिजिटल प्लेटफॉर्म सूचनाओं के प्रचार-प्रसार के लोकतंत्रीकरण के वाहक के बतौर उभरे हैं. कोविड-19 के बाद के भारत में चुनावी राजनीति में यह खुद को जिस तरह से व्यक्त करेगा, उसका केंद्र बिहार होगा, लेकिन चुनावी प्रतिस्पर्धा के महत्व का क्या होगा? ऐसा लगता है कि नीतीश कुमार के सामने कठिन चुनौती पेश है.पहले दो कार्यकालों की तरह उनका तीसरा कार्यकाल गौरवपूर्ण घटनाओं से भरा नहीं है. कोविड-19 से निबटने में प्रशासन की कमजोरियां खुल कर सामने आ गयी हैं, पर जहां तक चुनाव का सवाल है, नीतीश कुमार अब भी राज्य के एक बड़े राजनीतिक ब्रांड हैं. हालांकि, भारतीय जनता पार्टी के साथ साझीदारी से बिहार को विशेष श्रेणी के राज्य का दर्जा या पटना विश्वविद्यालय के लिए केंद्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा जैसे जनता दल (यूनाइटेड) द्वारा मांगे गये लाभ प्राप्त नहीं हुए. इसे भी हमें ध्यान में रखना होगा.

जीतन राम मांझी अगर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में शामिल होते हैं, तो इस गठबंधन का दायरा और बड़ा हो जायेगा. पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं को 35 प्रतिशत आरक्षण देकर और पुलिस तथा सार्वजनिक नौकरियों तक उसका विस्तार करके नीतीश कुमार ने महिलाओं को अपने पक्ष में रखने का विशेष प्रयास किया है. उन्होंने पिछले 15 वर्षों में पिछड़े समुदायों के अति-पिछड़े तबकों पर खासा जोर दिया है. विधान परिषद और कुछ संस्थाओं में अति पिछड़ों की नुमाइंदगी को इसी परिप्रेक्ष्य में देखने की जरूरत है.

बिहार हिंदी हृदय प्रदेश का एकमात्र राज्य है, जहां भाजपा अपने शिखर तक नहीं पहुंची है. मोदी की लोकप्रियता के बावजूद उसने गठबंधन करना पसंद किया है. सोशल इंजीनियरिंग के बाद वह अब क्षेत्रीय उप-राष्ट्रीयता को जगा रही है. मोदी ने बिहारियों और बिहार रेजीमेंट के पराक्रम तथा भारत-चीन झड़प के दौरान उनके बलिदान की प्रशंसा की. प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना की समय सीमा को बढ़ाते हुए मोदी ने खास तौर पर उल्लेख किया कि यह योजना नवंबर में छठ पर्व तक जारी रहेगी. छठ बिहार में एकमात्र उप-राष्ट्रीय पर्व है, जिसे बिहार में सभी जातियों और वर्गों के लोग बिना किसी सामाजिक भेदभाव के मनाते हैं. भाजपा युवा वर्ग को भी खुश करने का प्रयास कर रही है. बिहार में इसके सारे जिलाध्यक्षों की उम्र 40 से 45 वर्ष के बीच है. लेकिन, बिहार की वर्तमान स्थिति जितनी सत्तासीन गठबंधन की मजबूती को नहीं दर्शाती है, उससे अधिक विपक्ष की कमजोरियों को स्पष्ट करती है. हालांकि, सत्ताधारियों के खिलाफकाफी विक्षोभ है, जो 15 वर्षों के कार्यकाल के बाद स्वाभाविक भी है, लेकिन विपक्ष पूरी तरह अस्त-व्यस्त है. इसमें दो राय नहीं कि तेजस्वी यादव अब तक लालू यादव की जगह नहीं ले सके हैं. जाति के ऊपर वर्चस्वदृ जैसे कि राजद के मामले में यादवों पर वर्चस्वदृ औपचारिक राजनीतिक सत्ता के बिना नहीं टिकता है. राजद 15 वर्षों से सत्ता से बाहर है. दूसरे, पूरे जाति समूह के समर्थन को टिकाये रखने के लिए अभी कोई सामाजिक आंदोलन भी मौजूद नहीं है. कांग्रेस और साम्यवादी दल ऐसी स्थिति में नहीं हैं कि वे कोई बड़ा समीकरण बना सके.

एक ऐसा सामाजिक समीकरण जो चुनाव की दिशा को प्रभावित करनेवाले औजार के बतौर निर्मित हो सके. उपेंद्र कुशवाहा या मुकेश सहनी जितना राजनीतिक ध्यान आकर्षित करते हैं, उससे उनकी सामाजिक ताकत मेल नहीं खाती है. यानी उन्हें जाति विभाजित समाज में अन्य समूहों को साधना बाकी है. अगर यह काम वे करने में सफल होते हैं, तो इससे उनकी राजनीतिक हैसियत में इजाफा ही होगा. अपने को संपूर्ण बिहार के नेता के रूप में सामने लाने के लिए चिराग पासवान 'बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट' के नारे के साथ व्यापक प्रांतीय पहचान के लिए अपील कर रहे हैं. 'बदलो बिहार' के नारे के साथ बने नये मंच के साथ यशवंत सिन्हा सक्रिय हुए हैं. इस परिप्रेक्ष्य को देखते हुएदृ जिसमें सत्तासीन गठबंधन के पास मुख्यमंत्री का एक सशक्त चेहरा और सामाजिक गणित है, जबकि विपक्ष अब भी उससे बड़ी लकीर खींचने की दिशा में जद्दोजहद कर रहा है. वस्तुतरू पूरी चुनावी लड़ाई इसी पर टिकी हुई है.

सुशांत के फ्लैटमेट सैमुएल ने कहा सारा अली खान के साथ प्यार में थे

सुशांत सिंह राजपूत की मौत को दो महीने से ज्यादा का समय हो गया है और कई नए खुलासे आए दिन होते रहते हैं। सुशांत सिंह केस में इस समय मुख्य आरोपी के तौर पर गर्लफ्रेंड रिया चक्रवर्ती को देखा जा रहा है। इसी बीच एक खबर सामने आ रही है सुशांत सिंह राजपूत के साथ रिलेशन में एक्ट्रेस सारा अली खान भी थीं। इस बात का खुलासा सोशल मीडिया पर पोस्ट के जरिए सुशांत के दोस्त सैमुएल हाओकिप ने किया है। सैमुएल हाओकिप सुशांत के साथ फ्लैट भी शेयर किया था। उन्होंने बताया कि सारा अली खान को सुशांत डेट कर रहे थे लेकिन 'सोनचिरैया' के फ्लॉप होने के बाद सारा ने सुशांत के साथ ब्रेकअप कर लिया था। हालांकि सुशांत और सारा के रिलेशनशिप की अफवाहें 'केदारनाथ' के शूट के समय सामने आयी थी कि दोनों के दूसरे को डेट कर रहे हैं लेकिन कभी इन अफवाहों पर इन दोनों ने कुछ नहीं कहा था। इंस्टाग्राम पर सैमुएल ने पोस्ट करते हुए लिखा, मुझे याद है, केदारनाथ की प्रोमोशन्स के वक्त... सारा और सुशांत पूरी तरह प्यार में थे... उन्हें अलग करना मुश्किल था... एकदम प्योर, बच्चों जैसी मासूमियत। उन दोनों में एक दूसरे के लिए बहुत सम्मान था, जो आजकल रिलेशनशिप्स में बहुत कम देखने को मिलता है।

सुशांत के साथ सारा में भी, सुशांत की जिंदगी से जुड़े सारे लोगों के लिए बहुत सम्मान था। सुशांत और सारा के ब्रेकअप के पीछे सैमुएल को लगता है कि फिल्म 'सोनचिरैया' का फ्लॉप होना शायद वजह होगी। सैमुएल ने अपनी पोस्ट में आगे लिखा, मैं सोचता हूँ कि शायद 'सोनचिरैया' की बॉक्स-ऑफिस परफॉर्मेंस के सीधा बाद, सारा के उनसे अलग होने के फैसले के पीछे शायद बॉलीवुड माफिया के प्रेशर का हाथ था। सुशांत सिंह राजपूत के करीबी दोस्तों में से एक सैमुअल होकिप माने जाते थे। रिया चक्रवर्ती को लेकर सैमुअल ने बताया था कि सुशांत अपनी बहन से परेशान रिया चक्रवर्ती के कारण हो गए थे। सैमुअल होकिप ने कहा था कि, मैं सुशांत और उनकी बहन के बीच हुई बहस के बारे में जानता हूं क्योंकि मैं घर में मौजूद था। लेकिन अबतक मुझे इसका कारण नहीं पता था अभी मीडिया से इस तर्क का पता चला है। सुशांत इसके काफी परेशान हो गए थे और उसके बाद प्रियंका दीदी भी दिल्ली छोड़कर चली गई।

सुशांत सुसाइड केस में पहले दिन एक्शन में सीबीआई

पूछताछ के लिए एक व्यक्ति को लेकर गेस्ट हाउस पहुंची टीम

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत की जांच सीबीआई को सौंप दी और इसके ठीक एक दिन बाद केंद्रीय जांच ब्यूरो की एक एसआईटी टीम जांच शुरू करने के लिए मुंबई पहुंच गई। जांच के पहले दिन यानि शुक्रवार को ही सीबीआई की टीम पूरी तरह एक्शन में आ चुकी है। सीबीआई की टीम सुशांत सिंह राजपूत केस से जुड़े एक व्यक्ति को पूछताछ के लिए गेस्ट हाउस लेकर पहुंची है। सीबीआई के एक सूत्र ने बताया कि विशेष जांच दल (एसआईटी) में तीन पुलिस अधिकारी हैं, जिसका (एसपी) नूपुर प्रसाद नेतृत्व कर रही हैं। इस टीम में दिल्ली सीएफएसएल के 12 विशेषज्ञ भी शामिल है। टीम गुरुवार शाम मुंबई पहुंच गई है। सूत्र ने कहा कि एजेंसी के अधिकारी मुंबई पुलिस से मामले से संबन्धित जरूरी दस्तावेज एकत्र करेंगे और इस मामले की जांच कर रहे अधिकारियों से मिलेंगे। जांच करने गई टीम सुशांत के बांद्रा स्थित फ्लैट पर जा सकती है, जहां दिवंगत अभिनेता ने

14 जून को फांसी लगा ली थी। साथ ही अधिकारी पूछताछ के लिए अभिनेता की मृत्यु के बाद उनके फ्लैट पर पहुंचने वाले पहले पांच व्यक्तियों को भी बुला सकते हैं। एजेंसी डॉक्टरों की टीम से भी बात करेगी, जिन्होंने दिवंगत अभिनेता का पोस्टमार्टम किया था। सीएफएसएल विशेषज्ञ दिवंगत अभिनेता के फ्लैट की जांच करेंगे और सुशांत की मौत की सीन रिक्रिएट करेंगे। जरूरत पड़ने पर एजेंसी मुंबई पुलिस के डीसीपी से भी बात करेगी। सूत्र ने आगे कहा कि एजेंसी सुशांत, रिया चक्रवर्ती और अन्य के कॉल डिटेल रिकॉर्ड मांगेगी। अधिक जानकारी जुटाने के लिए टीम सुशांत की बहन मीतू सिंह से भी मिल सकती है। सूत्र ने आगे कहा कि एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से मामले का ब्योरा मांगेगी। सीबीआई ने दिवंगत अभिनेता के पिता के.के सिंह के आधार पर रिया चक्रवर्ती, उनके पिता इंद्रजीत, मां संध्या, भाई शोविक, सुशांत के पूर्व मैनेजर श्रुति मोदी और फ्लैटमेट सैमुअल मिरांडा समेत अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

कोरोना काल में शिल्पा शेट्टी कुंद्रा की श्रद्धा नहीं हुई कम

देशभर में कोरोना महामारी का संकट देखते हुए कई त्योहारों के सार्वजनिक आयोजन पर इस साल रोक लगाई हुई है। लेकिन इस सबसे के अलावा श्रद्धालुओं का जोश और जज्बा वैसे का वैसे है। गणेशोत्सव ऐसा ही पर्व है जो भारत के कई हिस्सों में बहुत धूम-धाम से मनाया जाता है। इस पर्व पर सार्वजनिक आयोजन कई जगहों पर होते हैं। यह त्योहार मुंबई में बहुत उत्साह से मनाया जाता है। मुंबई में गणपति को अपने घर विराजते आम और खास दोनों लाते हैं और पूरे नियम उनकी पूजा-अर्चना करके विसर्जित करते हैं। गणपति की प्रतिमा की स्थापना हर साल अपने घर बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी भी करती हैं और इस साल कोरोना काल में उन्होंने इस परंपरा तो तोड़ा नहीं है। मुंबई में गुरुवार को गणपति की प्रतिमा शिल्पा ने खरीदी है और इस दौरान की तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आई हैं। इन तस्वीरों में देखा जा सकता है कि दुकान से प्रतिमा खरीदकर शिल्पा अपने घर कार में ले जाती दिखाई दे रही हैं। धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक, गणेश ही की मूर्ति ढकी होती है। टीवी इंडस्ट्री से लेकर बॉलीवुड के सेलेब्स तक सब अपने घर गणेश जी को लाते हैं और स्थापित करते हैं। संजय दत्त, गोविंदा, नाना पाटेकर, एकता कपूर, सलमान खान, ऋतिक रोशन, अमिताभ बच्चन सहित इन सितारों के घर गणपति बप्पा आते हैं। यह सेलेब्स बड़ी धूम-धाम से स्वागत-सत्कार से गणपति को अपने घर लाते हैं। हिंदू पंचांग के मुताबिक, विनायक चतुर्थी या गणेश चतुर्थी का पर्व भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को मनाते हैं। गणेश चतुर्थी या विनायक चतुर्थी 22 अगस्त शनिवार को इस साल पड़ रही है।

सितारा होटलों के लिए शादियां बनीं वरदान

मुंबई, एजेंसी। कोविड संकट की मार झेल रहे देश के पांच सितारा होटलों के लिए शादियों का मौसम वरदान बनकर आया है। हालांकि ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन छोटे स्तर पर करने की अनुमति है लेकिन अधिकांश होटलों में नवंबर और दिसंबर के लिए बड़ी तादाद में बुकिंग और पूछताछ हो रही है। ऐसे लोग भी अब देश के पांच सितारा होटलों का रुख कर रहे हैं जिन्होंने पहले विदेश में शादी समारोह आयोजित करने की योजना बनाई थी। इंडियन होटल्स ने जून से परिचालन शुरू कर दिया था लेकिन हाल के दिनों में उसकी बुकिंग अछी खासी बढ़ गई है। कोविड से पहले जितनी बुकिंग होती थी अब उसकी 70-80 फीसदी बुकिंग हो रही है। आने वाले महीनों में भी अछे कारोबार की उम्मीद है। इंडियन होटल्स में वरिष्ठ उपाध्यक्ष (ग्लोबल सेल्स ऐंड मार्केटिंग) रेणु बसु ने कहा, अभी जो भी पूछताछ आ रही है, वह शादी-समारोह के लिए ही होती है। हालांकि ऐसे कार्यक्रमों के लिए सरकार ने अधिकतम 50 लोगों को शामिल होने की अनुमति दी है। बसु ने कहा कि कई ऐसे लोग भी हैं जो घर पर ही शादी-ब्याह समारोह करते रहे हैं। इस बार वे भी परिवार और करीबियों के साथ मिलकर होटलों में जश्न मिलाने की गुंजाइश तलाश रहे हैं। मैरियट इंटरनैशनल में वरिष्ठ एरिया निदेशक सेल्स एवं डिस्ट्रिब्यूशन (दक्षिण एशिया) पारुल ठाकुर ने कहा कि लॉकडाउन में ढील के बाद से शादी और इससे जुड़े समारोहों से मैरियट होटल्स में अछा कारोबार आ रहा है। उन्होंने बताया, पिछले दो महीने में हमारे कुल कारोबार में ऐसे कार्यक्रमों की हिस्सेदारी करीब 70 फीसदी रही। होटल सलाहकार फर्म नियोसिस कैपिटल के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्याधिकारी नंदीवर्द्धन जैन का कहना है, जब तक शादियों में शामिल होने वाले लोगों की संख्या पर लगी पाबंदी नहीं हटती तब होटलों को इस तरह की बुकिंग्स से यादा मदद मिलने की उम्मीद नहीं है क्योंकि होटलों की कमाई में खान-पान यानी केटरिंग की हिस्सेदारी करीब 50 फीसदी होती है। आईटीसी होटल के प्रवक्ता ने कहा कि आईटीसी के होटलों में शादियों को लेकर अछी बुकिंग हो रही है। उन्होंने कहा, हम वर्चुअल शादी समारोह भी आयोजित कर रहे हैं। इसमें दूल्हे और दुल्हन के परिवार और दोस्तों के बीच इस आयोजन को वर्चुअल तरीके से दिखाया जात है।

गणेशोत्सव की नहीं दिखेगी रौनक

करीब तीन दशकों से हर साल विले पार्ले के मूर्तिकार एकनाथ गुरुव मिट्टी और पत्थरों से गणपति बनाते हैं। मुंबई में गणेश चतुर्थी की तैयारियों के बारे में गुरुव कहते हैं, हर साल की तरह ही इस साल भी उत्साह है। लेकिन इस बार लोगों के पास पैसा नहीं है। लोग इस बार काफ ी मोलभाव कर रहे हैं। उनकी 250 मूर्तियां जिनमें से यादातर दो फुट लंबी हैं उनकी कीमत 5,500 रुपये प्रति मूर्ति है लेकिन वे 4,500 रुपये में बिक रही है। कचे माल की लागत और मूर्ति बनाने के लिए ली गई जगह के किराये को जोडने के बाद मुनाफा बेहद निराशाजनक है। उनके साथ पिछले साल तक आठ कारीगरों की टीम काम करती थी लेकिन अब उनकी संख्या घटकर महज तीन हो गई है। जब से 127 साल पहले इस शहर में गणेशोत्सव का कार्यक्रम शुरू किया गया उस वक्त से ही मूर्तिकारों के समूहों की आमदनी इस त्योहार पर निर्भर करती है। फू लों के काम से जुड़े लोगों, मिठाई वाले, मंडप सजावट वाले, ढोल-ताशे वाले, रंगारंग कार्यक्रम में प्रदर्शन करने वाले लोग और सुरक्षा गार्ड जैसे लोगों को हर साल पांच से 11 दिनों के लिए मुंबई के मैदानों, झुग्गी-झोपडियों, आवासीय परिसरों और छोटी बस्तियों में लगाए जाने वाले करीब 17,000 पंडालों में काम मिल जाता था। इनमें से करीब 2,470 पंडालों में विशाल मूर्तियां रखीं जाती हैं। हर साल इस त्योहार के दौरान पूरे शहर में रंगीन माहौल रहता था और कारोबार भी अछा होता था लेकिन 22 अगस्त से शुरू हो रहे इस त्योहार की रंगत इस बार फ ीकी रहने वाली है। इस बार शहर में बड़े पंडाल और बैनर नहीं दिखेंगे और न ही सड़कों पर धूपबत्ती की खुशबू आएगी। कोविड-19 की वजह से राय सरकार और नगर निगम के अधिकारियों ने दिशानिर्देश दिए हैं जिसके मुताबिक श्रद्धालुओं को मास्क पहनकर दूर से प्रार्थना करनी होगी। वे फू ल या प्रसाद नहीं चढ़ा सकते। मूर्तियों की लंबाई चार फु ट से अधिक नहीं होनी चाहिए। बड़ी संख्या में स्वयंसेवकों और परिवारों के नेतृत्व में होने वाले आगमन और विसर्जन के लिए जुलूस निकालने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। इस बार विसर्जन समुद्र तट के बजाय निजी स्थलों पर या बृहन्मुंबई महानगरपालिका

(बीएमसी) के टैंकों में किया जाना है। इसी वजह से कई प्रमुख ट्रस्ट ने इस वर्ष गणेशोत्सव समारोह रद्द करने और अपने कार्यालयों में छोटी मूर्तियों की पूजा करने की योजना बनाई है। इसके बजाय कई ने तो रक्तदान और प्लामा के लिए शिविर लगाने का फैसला किया है। करीब 18 से 20 फु ट लंबी लालबागचा राजा की मूर्ति सबसे मशहूर है और यहां लोगों का बड़ा हुजूम जुटता है लेकिन 86 साल में पहली बार यहां मूर्ति नहीं रखी जाएगी। किंग्स सर्किल में 70 किलोग्राम सोना और 300 किलोग्राम चांदी से सजे हुए शहर के सबसे अमीर गणेश के लिए जीएसबी सेवा मंडल समारोह का सीधा प्रसारण करेगा लेकिन इस जगह पर सीमित लोग ही जा सकेंगे। ट्रस्ट के संयोजक भुजंग पाई कहते हैं, हम लोगों की समस्याओं को समझते हैं, इसलिए हम सोने और धन के अत्यधिक प्रदर्शन के बजाय केवल पूजा और जप करेंगे। बृहन्मुंबई सार्वजनिक गणेशोत्सव समन्वय समिति के अध्यक्ष नरेश दहिभावकर का कहना है कि शहर में गणेशोत्सव का कुल कारोबार कम होकर 30 करोड़ रुपये तक होने की उम्मीद है। जबकि पिछले साल यह करीब 70 करोड़ रुपये तक था। दहिभावकर याद दिलाते हैं, इसका मतलब यह है कि सरकार की कर आमदनी में भी कमी आएगी। स्वास्थ्य से जुड़ी चिंताओं के अलावा मूर्ति का आकार छोटा होना भी लोगों और कंपनियों की खर्च क्षमता में नाटकीय बदलाव की ओर इशारा करता है। एसोचैम ने एक बार कहा था कि गणेशोत्सव भी मंदी से अछूता नहीं रह सकता है। माटुंगा में शक्ति विनयगर नरपानी मंडरम के एस मणिकंदन कहते हैं, हाथ जोड़कर लोग दान देने से बच रहे हैं। इसीलिए यहां भी निरंतरता बनाए रखने के लिए एक छोटा सा समारोह आयोजित किया जाएगा। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकॉनमी (सीएमआईई) के आंकड़ों के मुताबिक अप्रैल से जुलाई के बीच भारत के संगठित क्षेत्र में कुल 1.89 करोड़ वेतनभोगी लोगों की नौकरी चली गई। कई जगहों पर वेतन में भी कटौती की गई है। सामान्य वक्त में श्रद्धालु नकद, सोना, हीरा, विदेशी मुद्रा, नारियल और शक्कर दान देते हैं। बड़े पंडाल ऐप और यूट्यूब चैनलों से लैस होंगे जो इस साल धार्मिक अनुष्ठानों का वेबकास्ट करेंगे। वे प्रसाद कूरियर करने की भी योजना बना रहे हैं। गणेशोत्सव से जुड़े बीमा और प्रायोजन का दायरा भी कम हो गया है। किंग्स सर्कल जीएसबी जिसका पिछले साल 265 करोड़ रुपये का बीमा कवर था वहां इस बार कुछ कर्मचारियों का ही निजी स्वास्थ्य बीमा कराया जाएगा। बॉलीवुड की मशहूर हस्तियों के बीच लोकप्रिय अंधेरीचा राजा में इस बार विशिष्ट अतिथियों के आने का प्रचार नहीं होगा। ट्रस्ट के प्रवक्ता उदय सालियन कहते हैं आमतौर पर प्रायोजक खुद ही हमसे संपर्क करते थे लेकिन इस बात शांति बनी हुई है। भायखला के मूर्तिकार संतोष मुरासु कहते हैं कि संदेह के माहौल की वजह से इस त्योहार से जुड़ी रचनात्मकता भी प्रभावित हुई है। वह कहते हैं, हमारा एक महीने का वक्त सिर्फ गुजरात से सामग्री आने के इंतजार में खत्म हो गया। लोग हमारे पास अपनी पसंद की मूर्ति बनवाने के लिए विशेष डिजाइनों के चित्र लेकर आते हैं लेकिन इस बार मंदी को देखते हुए हम डिजाइन कस्टमाइज नहीं कर रहे हैं।

भारतीय रेल की सब्सिडी के सामने टिक सकेंगी निजी ट्रेन!

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 4 अक्टूबर, 2019 को दिल्ली और लखनऊ के बीच तेजस एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाई थी। सरकार तथा कई मीडिया संगठनों ने इसे स्वतंत्र भारत की पहली निजी ट्रेन का दर्जा दिया। हालांकि इस ट्रेन का परिचालन सरकारी कंपनी भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) द्वारा किया जाता है। तेजस को इस बात का नमूना माना जा सकता है कि भारतीय रेल पटरियों पर एक निजी ट्रेन किस तरह दिखेगी। तेजस एक्सप्रेस का एसी टिकट 1,280 रुपये और एग्जीक्यूटिव चेयर कार का टिकट 2,450 रुपये है, जो भारतीय रेल द्वारा संचालित स्वर्ण शताब्दी एक्सप्रेस के मुकाबले (एसी टिकट 970 रुपये तथा एग्जीक्यूटिव चेयर कार टिकट 1,935 रुपये) काफी अधिक है। हालांकि, दोनों ट्रेनों में डायनैमिक यानी घट-बढ़ कीमत प्रणाली लागू थी। जनवरी 2020 में आईआरसीटीसी ने रेलवे सेवाओं के निजीकरण के व्यापक अभियान के तहत मुंबई और अहमदाबाद के बीच दूसरी रेल सेवा शुरू की। साल 2023 तक लगभग 30,000 करोड़ रुपये के निवेश से 109 मार्गों पर 151 निजी ट्रेन की योजना के साथ सवाल यह उठता है कि क्या अत्यधिक रियायती दरों पर परिचालन करने वाली भारतीय रेल के मुकाबले निजी कंपनियां प्रतिस्पर्धा कर सकेंगी? भारतीय रेलवे यात्री खंड में यात्रा की लागत का केवल 57 प्रतिशत वसूलती है जबकि उपनगरीय मार्गों पर यह वसूली लगभग 40 प्रतिशत है। हालिया उपलब्ध अनुमानों के आधार पर, रेलवे यात्रियों के लिए केवल 36 पैसा प्रति 10 किलोमीटर के आसपास शुल्क लेता है, लेकिन उसी दूरी के लिए लगभग 73 पैसे खर्च करता है। वहीं, दिल्ली -लखनऊ तेजस एक्सप्रेस में एसी चेयर कार और एग्जीक्यूटिव श्रेणी के लिए यह शुल्क क्रमश- 2.5 रुपये और 4.8 रुपये प्रति किमी है। भारत में निजी रेल सेवा के लिए संभावित बोलीदार एक कंपनी के अधिकारी ने कहा, दुनिया में कहीं भी रेलगाडियां उस दर पर नहीं चलती हैं जिस दर पर भारतीय रेल चलती है। रेलवे के लिए अधिक सब्सिडी पर परिचालन करना एवं अपने कर्मचारियों को भुगतान करना

मुश्किल हो जाएगा। इसीलिए मेरा मानना ??है कि भविष्य में दरों में वृद्धि होनी चाहिए। पिछले महीने, जीएमआर ग्रुप, स्टरलाइट पावर, भारत फोर्ज, जेकेबी इन्फ्रास्ट्रक्चर, मेधा ग्रुप, आरके एसोसिएट्स, बॉम्बार्डियर, आईआरसीटीसी और भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स (बीएचईएल) ने एक बैठक में भाग लिया था और रेलवे पटरियों पर 160 किलोमीटर प्रति घंटे की निर्धारित ट्रेन गति सहित कई चिंताओं को उठाया था। वर्तमान में केवल दिल्ली और झांसी के बीच चल रही गतिमान एक्सप्रेस ही इस सीमा तक चलने में सक्षम है। लॉकडाउन से पहले, यात्री पैसेंजर ट्रेनों की औसत गति लगभग 44 किमी प्रति घंटे और मालवाहक ट्रेनों की लगभग 23 किमी प्रति घंटा थी। इसके अलावा, व्यवहार्यता भी एक प्रमुख कारक रहा। बेंगलूरु स्थित एक ऑनलाइन आरक्षण कराने वाले ऐप, कन्फर्मटिकट के सह-संस्थापक एवं मुख्य कार्याधिकारी दिनेश कुमार कोठा को लगता है कि यह कोई मुद्दा नहीं होना चाहिए। वह कहते हैं, सब्सिडी केवल गैर-एसी श्रेणी के लिए है। निजी कंपनियों की प्रीमियम श्रेणी में परिचालन करने की उम्मीद है, जहां भारतीय रेल के लिए भी कोई सब्सिडी नहीं है।

वह कहते हैं, साथ ही, तत्काल एवं डायनैमिक कीमतें निर्धारण प्रणाली में भी लोग टिकट की अधिक कीमत का भुगतान करने के लिए तैयार हैं। दिल्ली-वाराणसी मार्ग पर चलने वाली तेजस के मामले आईआरसीटीसी ने साबित किया है कि उच्च कीमतों एवं विमानन कंपनियों जैसी सुविधाओं के साथ लाभ कमाया जा सकता है। वास्तव में मूल्य निर्धारण संबंधी चिंताओं का जवाब तेजस एक्सप्रेस से लिया जा सकता है। आईआरसीटीसी ने पहले महीने में 7.73 लाख रुपये की कमाई की है। तेजस ने पहले महीने के दौरान 62 प्रतिशत की औसत सीट यात्रा के साथ कमाई के इस कड़े को छुआ। कोठा का मानना ??है कि इस स्तर पर सेवाएं व्यवहार्य हैं। वह कहते हैं, प्रत्येक ट्रेन की लागत लगभग 150 करोड़ रुपये होगी। इसमें रेलवे को भुगतान किए जाने वाले बिजली तथा दूसरे शुल्क के अलावा पूंजी एवं विपणन लागत भी शामिल होगी। मेरा मानना ??है कि 50-60 फीसदी औसत सीट यात्रा के साथ कंपनियां ट्रिप लेवल पर ब्रेकईवन यानी नफा न नुकसान का स्तर हासिल कर सकेंगी। उन्होंने कहा, पांच वर्षों तक औसत सीट यात्रा लगभग 70-80 प्रतिशत रहने से आपको लगभग पूरा निवेश वापस मिल जाएगा। रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह भी कहा कि मांग कोई मुद्दा नहीं होगा। निजी ट्रेनों के लिए चुने गए मार्गों में 100 प्रतिशत से अधिक की व्यस्तता है, इसलिए एक और ट्रेन को जोडने से केवल मांग को पूरा करने में मदद मिलेगी। स्पेनिश निर्माता टैल्गो की भारतीय इकाई के प्रमुख सुब्रत नाथ ने कहा, मेरा मानना ??है कि ऐसी ट्रेनों के किराये की कोई ऊपरी सीमा नहीं होगी। वर्तमान में, भारतीय रेलवे का उपयोग करने वालों में से 30 प्रतिशत वातानुकूलित श्रेणी में यात्रा करते हैं। निजी कंपनी से बेहतर सेवाएं मिलने पर वे अधिक भुगतान करने के लिए तैयार हैं।

5जी के लिए एयरटेल का दांव

नई दिल्ली, एजेंसी। भारती एयरटेल अमेरिका की कंपनी अल्टियोस्टार के 5जी वर्चुअलाइज्ड रेडियो एक्सेस ओपन नेटवर्क (वीआरएनए) का भारत में परीक्षण की कवायद में जुट गई है। सरकार से 5जी परीक्षण के लिए स्पेक्ट्रम मिलने के बाद कंपनी अपनी योजना पर आगे बढ़ जाएगी। एयरटेल और अल्टियोस्टार 5जी तकनीक के लिए एक दूसरे के साथ सहयोग कर रही हैं। अमेरिका की इस कंपनी ने दुनिया की पहली ओपन रेडियो एक्सेस नेटवर्क (ओ-आरएएन) 5जी तकनीक की व्यावसायिक शुरुआत के लिए जापान की कंपनी राकुटेन के साथ समझौता किया है और उसे इसकी तकनीक मुहैया कराई है। कंपनी अगले महीने जापान में ओ-आरएएन 5जी तकनीक की शुरुआत करेगी। भारती एयरटेल स्मॉल सेल्स और एमआईएमओ आदि लगाने में वीआरएएन तकनीक का इस्तेमाल कर रही है। नई दौर की तकनीक विकसित करने के लिए दोनों ही कंपनियां कुछ खास क्षेत्रों में सॉफ्टवेयर तैयार कर रही हैं। एयरटेल केवल भारत में ही इस तकनीक का इस्तेमाल सीमित नहीं रखना चाहती है, बल्कि अफ्रीका सहित दुनिया के उन देशों में भी इसे लेकर जाएगी जहां वह परिचालन कर रही है। एयरेटल की प्रस्पिर्द्धी कंपनी रिलायंस जियो ने हाल में ही अपनी ओपन-आरएएन 5जी तकनीक विकसित करने की घोषणा की है और दिल्ली और मुंबई में अपने नेटवर्क पर इसका परीक्षण करना चाहती है। जियो ने इन शहरों में परीक्षणों के लिए सरकार से आवश्यक स्पेक्ट्रम की भी मांग की है। यह 5जी तकनीक विकसित कर वह दुनिया के दूसरे देशों को भी इसे बेचना चाहती है।

इंडिगो दे रहा एक यात्री के लिए दो सीटें बुक करने का विकल्प

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडिगो ने शुक्रवार को एक ऐसी योजना शुरू की, जिसके तहत जो लोग कोरोना वायरस महामारी के बीच अतिरिक्त सुरक्षा सुनिश्चित करना चाहते हैं, वे एक यात्री के लिए दो सीटें बुक करा सकते हैं। विमानन कंपनी ने एक बयान में कहा, अतिरिक्त सीट के लिए शुल्क मूल बुकिंग लागत का करीब 25 प्रतिशत तक कम होगा। यह पेशकश 24 जुलाई 2020 से प्रभावी होगी। इंडिगो ने कहा कि 6ई डबल सीट योजना यात्रा पोर्टल, इंडिगो कॉल सेंटर या हवाई अड्डे के काउंटरों के जरिए उपलब्ध नहीं होगी। इस योजना का लाभ केवल इंडिगो की वेबसाइट से लिया जा सकता है। दरअसल इंडिगो ने 20 जून से 28 जून के बीच 25,000 यात्रियों के बीच एक ऑनलाइन सर्वेक्षण किया था, जिसमें यात्रियों ने शारीरिक दूरी की कमी को एक बड़ी चिंता का विषय बताया। सर्वेक्षण में कहा गया कि 62 प्रतिशत लोगों ने शारीरिक दूरी को प्रमुख चिंता का विषय बताया। इंडिगो के मुख्य रणनीति और आय अधिकारी संजय कुमार ने शुक्रवार को कहा, इस समय हवाई यात्रा सबसे सुरक्षित तरीका है, लेकिन हम ग्राहकों की सुरक्षा की भावनात्मक आवश्यकता को समझते हैं। उन्होंने कहा, हमें इस तरह के अनुरोध मिल रहे थे और अतिरिक्त सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक यात्री के लिए दो सीटें बुक करने का विकल्प पेश करने में हमें खुशी है।

पाकिस्तान के मिली दूसरी सफलता,सिब्ले आउट हुए

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड व पाकिस्तान के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज का तीसरा मुकाबला साउथैंप्टन में खेला जा रहा है। इस टेस्ट सीरीज में इंग्लैंड की टीम इस वक्त 1-0 से आगे है। दूसरा मैच साउथैंप्टन में ही बारिश की वजह से ड्रॉ रहा था। तीसरे टेस्ट में इंग्लैंड की टीम ने टॉस जीत लिया है और पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया है। खबर लिखे जाने तक पहली पारी में इंग्लैंड की टीम ने 2 विकेट के नुकसान पर 91 रन बना लिए हैं। इंग्लैंड को पहली पारी में पहला झटका पाकिस्तानी तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी ने दिया। उन्होंने ओपनर बल्लेबाज रोरी बर्न्स को 6 रन पर कैच आउट करवा दिया। रोरी का कैच शान मसूद ने लपका। टीम के दूसरे ओपनर बल्लेबाज सिब्ले को याशिर शाह ने अपना शिकार बनाया। शाह की गेंद पर वो 22 रन पर एलबीडब्यू आउट हुए। इंग्लैंड = रोरी ब?र्न्स, डोम सिब्ले, जैक क्रॉले, जो रूट (कप्तान), ओली पोप, जोस बटलर, क्रिस वोक्स, डोमिनिक बेस, जोफ्रा आर्चर, स्टुअर्ट ब्रॉड, जेम्स एंडरसन। शान मसूद, आबिद अली, अजहर अली (कप्तान), बाबर आजम, अशद शफीक, फवाद आलम, मो. रिजवान, याशिर शाह, मो. अब्बास, शाहीन अफीदी, नसीम शाह। 85 में से 26 टेस्ट इंग्लैंड ने पाकिस्तान के खिलाफ जीते हैं। 21 में उसे हार मिली, जबकि 38 मुकाबले ड्रॉ रहे हैं। वहीं, घर में इंग्लिश टीम ने पाकिस्तान को 55 में से 24 टेस्ट में हराया है। 12 मैच में इंग्लैंड को हार मिली, जबकि 19 टेस्ट ड्रॉ खेले गए। वहीं 6 साल से इंग्लिश टीम का अपने घर में रिकॉर्ड शानदार रहा है। वह कोई टेस्ट सीरीज नहीं हारी है। इस दौरान टीम ने 12 में से आठ द्विपक्षीय सीरीज जीती हैं, जबकि चार ड्रॉ खेली हैं। पिछले महीने जुलाई में ही इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज को घरेलू सीरीज में 2-1 से शिकस्त दी है। पिछली बार इंग्लिश टीम को घर में श्रीलंका ने जून 2014 में 1-0 से हराया था। 10 साल में दोनों टीमों के बीच चार टेस्ट सीरीज हुईं जिसमें पाकिस्तान अजेय रहा। इससे पहले इंग्लैंड टीम ने जुलाई 2010 में पाकिस्तान के खिलाफ 3-1 से घरेलू टेस्ट सीरीज जीती थी। तब से अब तक 10 साल में दोनों के बीच चार टेस्ट सीरीज खेली गईं। इनमें 2012 और 2015 में पाकिस्तान ने दो सीरीज जीतीं, जो यूएई में हुई थीं। जबकि इंग्लैंड में खेली गईं 2016 और 2018 में दो टेस्ट सीरीज ड्रॉ रही थीं।

रोहित शर्मा को मिलेगा राजीव गांधी खेल रत्न अवॉर्ड, खेल मंत्रालय ने दिखाई हरी झंडी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के धुरंधर ओपनर बल्लेबाज रोहित शर्मा को राजीव गांधी खेल रत्न सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। खेल मंत्रालय ने चयन समिति की सिफारिश पर हरी झंडी दिखा दी है। नेशनल स्पोर्ट्स अवॉर्ड 2020 के लिए खेल मंत्रालय ने जिस 12 सदस्यीय चयन समिति का गठन किया था उस समिति ने देश के सबसे बड़े खेल सम्मान के लिए रोहित शर्मा समेत पांच खिलाड़ियों की सिफारिश की थी। अब रोहित शर्मा समेत उन तमाम खिलाड़ियों को ये सम्मान दिया जाएगा। देश के सर्वोच्च खेल पुरस्कार खेल रत्न के लिए एक जनवरी 2016 से 31 दिसंबर 2019 की उपलब्धियों पर विचार किया गया। चयन समिति ने रोहित शर्मा के अलावा महिला पहलवान विनेश फोगाट, महिला हॉकी टीम की कप्तान रानी रामपाल, पैरा एथलीट मरियप्पन थंगवेलू व महिला टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा के नाम की सिफारिश राजीव गांधी खेल रत्न सम्मान के लिए की थी। 33 साल के रोहित शर्मा देश के सबसे बड़े खेल सम्मान पाने वाले चौथे भारतीय क्रिकेटर होंगे। उनसे पहले सचिन तेंदुलकर, व विराट कोहली को ये सम्मान मिल चुका है। खेल पुरस्कार के लिए गठित चयन समिति में पूर्व क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग, पूर्व हॉकी खिलाड़ी सरदार सिंह समेत और भी कई लोग शामिल थे। इस समिति ने हर खिलाड़ी की उपलब्धियों को ध्यान में रखते हुए इनके नाम कि सिफारिश की थी। रोहित शर्मा ने पिछले साल इंटरनेशनल क्रिकेट में कमाल का प्रदर्शन किया था साथ ही साथ वनडे वर्ल्ड कप में उनका प्रदर्शन धमाकेदार रहा था। इसके अलावा महिला पहलवान विनेश फोगाट ने एशियन गेम्स व कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडल जीता था। इसके बाद विनेश ने साल 2019 में एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में भी ब्रॉन्ज मेडल जीता था। महिला हॉकी कप्तान रानी रामपाल ने भी महिला एशिया कप 2017 में कमाल का प्रदर्शन किया था साथ ही 2018 एशियाई खेलें में सिल्वर मेडल जीता था। एफआईएच ओलंपिक क्वालिफायर्स में रानी ने भारत को टोक्यों ओलंपिक में क्वालीफाई करने में बड़ी भूमिका निभाई थी। वहीं थंगवेलु को 2016 रियो ओलंपिक खेलों में टी42 ऊंची कूद में स्वर्ण पदक जीतने के लिए पुरस्कार दिया गया है। टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका के नाम की सिफारिश 2018 में उनके शानदार प्रदर्शन के लिए की गई है। उन्होंने उस वर्ष राष्ट्रमंडल खेलों में गोल्ड और एशियाई खेलों में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। राष्ट्रीय खेल दिवस यानी 29 अगस्त को इन खिलाड़ियों के सम्मानित किया जा सकता है।

सुरेश रैना ने कहा कि अगर ये खिलाड़ी टीम में होता तो भारत जीत सकता था 2019 वनडे वर्ल्ड कप

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया के पूर्व बल्लेबाज सुरेश रैना ने कहा कि अंबाती रायडू को 2019 वनडे वर्ल्ड कप टीम में नंबर चार के बल्लेबाज के तौर पर होना चाहिए था। वनडे वर्ल्ड कप 2019 के लिए अंबाती को टीम इंडिया में जगह नहीं दी गई थी, यही नहीं टूर्नामेंट के दौरान कुछ खिलाड़ी चोटिल भी हुए थे, लेकिन फिर भी उन्हें मौका नहीं दिया गया। इसके बाद उन्होंने क्रिकेट से रिटायरमेंट ले ली थी, लेकिन कुछ दिनों के बाद घरेलू क्रिकेट में वापसी की। साल 2018 में अंबाती रायडू यो-यो टेस्ट में फेल हो गए थे और इंग्लैंड दौरे पर नहीं जा पाए थे। 33 साल के रैना ने कहा कि वो इससे खुश नहीं थे। ये दौरान रैना का भी आखिरी इंटरनेशनल दौरा था। रैना ने कहा कि मैं चाहता था कि अंबाती भारत के नंबर चार बल्लेबाज रहें क्योंकि वो काफी कड़ी मेहनत कर रहे थे। उन्हें जितना भी मौका मिला अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन फिर भी वो वहां नहीं थे। मैं भी साल 2018 के इंग्लैंड दौरे का मजा नहीं उठा पाया, क्योंकि रायडू के फिटनेस टेस्ट में असफल होने के बाद अजीब वातावरण बन गया था। मुझे अच्छा नहीं लग रहा था क्योंकि उन्हें फेल करके मुझे उनकी जगह चुना गया था। रैना ने ये कहने में जरा भी संकोच नहीं किया कि रायडू नंबर चार के लिए भारत के लिए बेस्ट थे और अगर ये खिलाड़ी टीम में होता तो भारतीय टीम विश्व कप जीत सकता थी। वहीं दूसरी तरफ सुरेश रैना ने अंबाती रायडू की बल्लेबाजी से कैंप के दौरान खुश नजर आए। दरअसल यूएई जाने से पहले चेन्नई का एक ट्रेनिंग कैंप आयोजित किया गया था। उन्होंने कहा कि वो नंबर चार पर शानदार हैं।

धोनी अपना फेयरवेल मैच कहां खेलेंगे

वीवीएस लक्ष्मण ने बताया जगह का नाम

नई दिल्ली, एजेंसी। धोनी ने 15 अगस्त 2020 के दिन इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायरमेंट ले ली थी और इसके बाद ये बातें भी उठने लगी कि धौनी जैसे महान खिलाड़ी ने फेयरवेल मैच भी नहीं खेला। वहीं झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन ने इच्छा व्यक्त की थी कि रांची में एम एस धौनी का के विदाई मैच का आयोजन हो। अब दूसरी तरफ पूर्व भारतीय क्रिकेटर वीवीएस लक्ष्मण को विश्वास है कि धौनी का फेयरवेल मैच चेपक में आयोजित किया जाएगा। एम एस धौनी का जन्म रांची में हुआ, लेकिन पिछले कई साल से चेन्नई उनका घेरलू मैदान जैसा है। वो आइपीएल फ्रेंचाइजी चेन्नई सुपर किंग्स को साल 2008 से लीड कर रहे हैं और तीन खिताब भी दिला चुके हैं। धौनी का चेन्नई में ऐसा प्रभाव है कि वहां के क्रिकेट फैंस उन्हें थाला या थलाइवा कहते हैं। लक्ष्मण ने स्टार स्पोर्ट्स के शो क्रिकेट कनेक्टेड में कहा कि हम सबको ये पता है कि माही सीएसके को लेकर काफी भावुक हैं। ये टीम सबसे सफल फ्रेंचाईजी माही की लीडरशिप में ही बनी है। वो इस टीम को खिताब दिलाने से लिए हर संभव प्रयास करेंगे। वीवीएस लक्ष्मण ने बताया कि जब तक वो क्रिकेट खेलेंगे वो सीएसके की कप्तानी करते रहेंगे। मुझे लगता है कि धौनी के हर एक मूवमेंट को काफी बारीकी से देखा जाएगा। धौनी जितना वक्त मैदान पर बिताएंगे उस हर पल का फैंस आनंद लेंगे। उन्होंने कहा कि अब ये तय है कि धौनी भारतीय जर्सी में नहीं दिखेंगे ऐसे में उन्हें विश्वास है कि ये महान विकेटकीपर-बल्लेबाज अपना आखिरी मैच सीएसके के लिए आइपीएल में खेलेगा जिसका आयोजन चेपक में किया जाएगा। यानी वो आइपीएल में ही अब अपना फेयरवेल मैच खेलेंगे। लक्ष्मण ने कहा कि मुझे लगता है कि एम एस धौनी जब सीएसके के लिए आखिरी मैच खेलेंगे वही उनका विदाई यानी फेयरवेल मैच होगा। मैं आपको निश्चित तौर पर बता सकता हूं कि जिस तरह से सचिन तेंदुलकर का फेयरवेल मैच मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में आयोजित किया गया था मुझे लगता है कि धौनी का विदाई मैच चेपक में आयोजित किया जाएगा। यही नहीं सभी क्रिकेट फैंस ना सिर्फ भारत के बल्कि दुनियाभार के धौनी के आखिरी मैच को देख रहे होंगे। धौनी के आइपीएल भविष्य को लेकर भी अभी कुछ साफ नहीं है। धौनी इस साल इस टीम की अगुआई कर रहे हैं, लेकिन वो आइपीएल 2021 में खेलेंगे या नहीं इसका पता फ्रेंचाइजी के अधिकारियों को भी नहीं है।

सुरेश रैना आप भी शाहिद अफरीदी की तरह रिटायमेंट से वापसी कर लो

आकाश चोपड़ा ने किया आग्रह

नई दिल्ली, एजेंसी। धोनी के साथ सुरेश रैना ने भी इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायरमेंट की घोषणा 15 अगस्त के दिन कर दी। धौनी का करियर तो अपने अंतिम पड़ाव के नजदीक था, लेकिन सुरेश रैना अभी सिर्फ 33 साल के हैं और वो टीम इंडिया में वापसी कर सकते थे। शायद ऐसा हो भी जाता अगर वो घरेलू स्तर पर या फिर आइपीएल में अच्छा प्रदर्शन कर पाते, लेकिन उन्होंने इसका इंतजार नहीं किया और क्रिकेट को अलविदा कह दिया। रैना ने भारत के लिए 18 टेस्ट, 226 वनडे व 78 टी20 इंटरनेशनल मैच खेले और इसमें कुल 7,988 रन बनाए। उन्होंने 7 शतक और 48 अर्धशतकीय पारी खेली। रैना की पहचान एक आक्रामक बल्लेबाज, टीममैन और बेहतरीन फील्डर के तौर पर थी। भारत के लिए कई अहम मौकों पर उन्होंने अच्छी पारियां खेली और हाल ही में इंजरी से उबरने के बाद वो आइपीएल के जरिए क्रिकेट में वापसी करने जा रहे हैं। इसमें कोई शक नहीं कि रैना में अभी क्रिकेट बाकी है। रैना के रिटायरमेंट के बाद टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा कि माना कि उन्होंने काफी क्रिकेट खेली है, लेकिन अभी उन्हें रिटायर होने की जरूरत नहीं थी। वो इस समय 33 साल के हैं और उनके साथ इंजरी की समस्या रही है, लेकिन खिलाड़ियों के साथ ऐसा होता है। हालांकि सर्जरी के बाद वो फिट हैं और ज्यादा बेहतर दिख रहे हैं और मैदान पर वापसी को बेताब हैं। आकाश चोपड़ा ने कहा कि माही की बात समझ में आती है कि अगर आइपीएल अपने तय वक्त पर भारत में होता और वर्ल्ड कप भी अपने तय समय पर होता तो वो जरूर उस टूर्नामेंट के लिए उपलब्ध रहते, लेकिन टी20 वर्ल्ड कप का स्थगित होना ही धौनी के रिटायरमेंट की मुख्य वजह रही। उन्होंने आगे शाहिद अफरीदी का उदाहरण दिया और रैना से आग्रह किया कि वो अपनी रिटायरमेंट वापस ले लें। उन्होंने कहा कि रैना के साथ कोई परेशानी नहीं है ऐसे में वो अफरीदी की तरह से अपनी रिटायरमेंट वापस ले लें। मेरा मानना है कि ढ्वक्क 2020 के बाद 2021 सीजन में रैना वापसी कर सकते हैं खास तौर से वो भारत में होने वाले 2021 टी20 वर्ल्ड कप टीम में जगह बना सकते हैं।

आईपीएल 2020 की मुख्य प्रायोजक का ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग यानी आइपीएल के 2020 के सीजन के लिए मुख्य प्रायोजक का ऐलान हो गया है। ड्रीम इलेवन कंपनी ने आइपीएल टाइटल स्पॉन्सरशिप हासिल कर ली है। ये कंपनी चीनी मोबाइल कंपनी को 2020 के आइपीएल के बतौर मुख्य प्रायोजक रिप्लेस करेगी। आइपीएल की टाइटल स्पॉन्सरशिप हासिल करने के लिए ड्रीम इलेवन ने वीवो की तरह मोटी बोली लगाई है। आइपीएल 2020 का आयोजन संयुक्त अरब अमीरात यानी यूएई में 19 सितंबर से 10 नवंबर के बीच खेला जाना है। इससे पहले भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड यानी बीसीसीआइ ने वीवो के साथ अपनी साझेदारी तोड़ ली थी, क्योंकि पूर्वी लद्दाख में भारत और चीन के सैनिकों के बीच हुई झड़प में 20 भारतीय सैनिक शहीद हो गए थे। इसी विवाद के बाद भारत में चीनी सामानों के खिलाफ बहिष्कार शुरू हो गया था। ऐसे में बीसीसीआइ ने विवादों से बचने के लिए वीवो के साथ 2020 के लिए साझेदारी से समझौता कर लिया था। लीडिंग फैंटेसी स्पोर्ट्स प्लेटफॉर्म ड्रीम इलेवन में टाटा ग्रुप और अनअकेडमी जैसे आइपीएल के मुख्य प्रायोजक के दावेदारों को चित करते हुए बोली लगाई और जीती। इस बोली में दूसरे नंबर पर अनअकेडमी रही, जबकि तीसरे नंबर पर टाटा संस ने बोली लगाई। ड्रीम 11 ने 250 करोड़ रुपये की बोली के साथ आइपीएल 2020 के टाइटल स्पॉन्सर की डील में बाजी मारी है। हालांकि, वीवो जितना एक साल के आइपीएल के बीसीसीआइ को रकम(एक साल के लिए 440 करोड़) अदा करती थी, उससे कम रकम में बीसीसीआइ को नया स्पॉन्सर मिला है। इससे पहले कहा जा रहा था कि आइपीएल के टाइटल स्पॉन्सरशिप की रेस ड्रीम इलेवन के अलावा बायजू, अनअकेडमी, टाटा संस और पतंजलि के बीच होगी, लेकिन बायजू और पतंजलि रेस में काफी पीछे रह गईं, जबकि बाजी ड्रीम 11 ने मारी। हालांकि, बीसीसीआइ और ड्रीम 11 के बीच ये करार सिर्फ चार महीने का होगा। इस बात का ऐलान बीसीसीआइ ने पहले ही कर दिया था, क्योंकि आगे फिर से बीसीसीआइ को वीवो के साथ हाथ मिलाना है।

रिटायरमेंट से बाद आईपीएल में कैसा है धोनी का भविष्य

नई दिल्ली, एजेंसी। अपने फैसलों की वजह से ही अपने क्रिकेट करियर में इतने सफल रहे। एम एस की ये खासियत रही कि वो कभी भी फैसला लेने में कोताही नहीं बरतते थे और सही वक्त पर सही फैसला ही उनकी सफलता का मूलमंत्र रहा। मैदान के अंदर की बात करें या फिर बाहर की उन्होंने अपने हर फैसले से हमेशा ही सबको चौंकाया। बात उनकी शादी की हो या फिर कप्तानी छोड़ने से लेकर रिटायरमेंट लेने तक की, माही ने सारे फैसले अचानक ही किए। 39 साल के सबसे सफल कप्तान ने 15 अगस्त 2020 के दिन अपने 16 साल पुराने क्रिकेट करियर को अलविदा कह दिया। माही अब ब्लू नहीं बल्कि पीली जर्सी में आइपीएल में नजर आएंगे, लेकिन कब तक ये साफ नहीं है पर सीएसके फ्रेंचाइजी के सीईओ काशी विश्वनाथन ने टाइम्स ऑफ इंडिया से बात करते हुए उनके आइपीएल भविष्य के बारे में बताया। उन्होंने धौनी के संन्यास के बाद उनसे आइपीएल भविष्य के बारे में बात करते हुए कहा कि उन्होंने अभी सिर्फ इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लिया है। वो सीएसके के लिए खेल रहे हैं। हम चाहते हैं कि वो जब तक चाहें हमारे लिए खेल सकते हैं। सच तो ये है कि हम उन्हें साल 2021 आइपीएल के बाद भी एक खिलाड़ी के तौर पर रिटेन करने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायरमेंट का फैसला धौनी का था और जब वो इस तरह से फैसले करते हैं तो हम उसमें हस्तक्षेप नहीं करते हैं। हालांकि, हम निश्चित तौर से हम ये आशा करते हैं कि वो सीएसके को छोड़ने का फैसला इस तरह से नहीं करेंगे। विश्वनाथन ने आगे कहा कि धौनी का ये फैसला हमें चकित कर गया, लेकिन उन्होंने कोई भी भावना नहीं दिखाई।

धोनी से ज्यादा टैलेंटेज हैं रिषभ पंत, उनसे बेहतर खिलाड़ी हो सकते हैं साबित

नई दिल्ली। 23 साल की उम्र में टीम इंडिया के लिए पहली बार साल 2004 में डेब्यू किया था और 39 साल की उम्र में उन्होंने क्रिकेट से संन्यास लिया। धौनी के संन्यास लेने से पहले से ही रिषभ पंत को उनका सबसे बड़ा उत्तराधिकारी माना जाता था, लेकिन लगातार मौके दिए जाने के बावजूद वो खुद को साबित नहीं कर पाए थे। अब टीम इंडिया के पूर्व तेज गेंदबाज आशीष नेहरा का कहना है कि 22 साल की उम्र में रिषभ पंत के पास 23 साल की उम्र में टीम इंडिया में खेलने आए एम एस धौनी के मुकाबले ज्यादा नैचुरल टैलेंट है। वैसे पंत को अपने खराब शॉट्स की वजह से आलोचनाओं का सामना करना पड़ता है। रिषभ पंत टीम इंडिया के वनडे और टी20 टीम का हिस्सा लगातार रहे, लेकिन टीम मैनेजमेंट ने अब उनकी जगह केएल राहुल को तवज्जो देना शुरू कर दिया है क्योंकि पंत की गैरमौजूदगी में उन्होंने टीम के लिए बखूबी विकेटकीपर-बल्लेबाज की भूमिका भी निभाई और सफल भी रहे। हालांकि केएल राहुल द्वारा इस भूमिका के निभाए जाने के बाद टीम के पास ज्यादा विकल्प हैं। वहीं दूसरी तरफ आशीष नेहरा का कहना है कि अगर रिषभ पंत अपनी क्षमता के मुताबिक प्रदर्शन कर पाए तो वो भारत के लिए एम एस धौनी से भी ज्यादा बेहतर खिलाड़ी साबित हो सकते हैं। हालांकि आशीष नेहरा ने साथ ही साथ ये भी कह दिया कि इतना सबकुछ हासिल करने के लिए रिषभ पंत को उतनी ही मेहनत करनी होगी जितनी एम एस धौनी ने अपने पूरे क्रिकेट करियर में की है। नेहरा ने आगे कहा कि रिषभ पंत सिर्फ 14 साल की उम्र से सोनट क्लब में थे। यकीन मानिए 22 साल की उम्र रिषभ पंत के पास जितना नैचुरल टैलेंट है।

ईशांत शर्मा सहित 29 खिलाड़ियों के नामों की अर्जुन पुरस्कार के लिए सिफारिश

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम के तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा और तीरंदाज अतनु दास सहित 29 खिलाड़ियों की खेल मंत्रालय की चयन समिति ने इस साल अर्जुन अवॉर्ड के लिए सिफारिश की है। मंत्रालय के ऑफिशियल अधिकारी ने पीटीआई से बात करते हुए कहा कि इन खिलाड़ियों में महिला हॉकी टीम की खिलाड़ी दीपिका ठाकुर, क्रिकेटर दीपक हुड्डा और टेनिस खिलाड़ी दिविज शरण का नाम भी शामिल है। ईशांत शर्मा के करियर की बात करें तो इस तेज गेंदबाज ने 97 टेस्ट में 297 विकेट लिए हैं, जिसमें 11 बार 5 विकेट भी शामिल हैं। ईशांत पिछला मैच इस साल की शुरुआत में न्यूजीलैंड में खेले थे। ईशांत के नाम 80 वनडे मैचों में 115 विकेट हैं। बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली ने उनके लिए कहा था कि इशांत टेस्ट टीम के सबसे सीनियर खिलाड़ी हैं और भारत को नंबर-1 टीम बनाने में उनका अच्छा खासा योगदान रहा है। इसमें कहा गया कि अर्जुन अवॉर्ड की सिफारिश के लिए ओलंपिक पदक विजेता साक्षी मलिक और पूर्व वर्ल्ड चैम्पियन वेटलिफ्टर मीराबाई चानू का भी नाम शामिल था लेकिन खेलमंत्री किरेन रीजिजू ने फाइनल निर्णय लेते हुए उनका नाम हटा दिया। उन्होंने कहा कि दोनों महिलाएं पहले खेल रत्न अवॉर्ड पा चुकी हैं। साक्षी ने 2016 में ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने की वजह से खेल रत्न पुरस्कार हासिल किया था जबकि मीराबाई चानू ने वर्ल्ड चैम्पियनशिप में गोल्ड मेडल हासिल करने की वजह से 2018 में भारतीय टीम के कप्तान विराट कोहली के साथ यह अवॉर्ड जीता था।

कंचन उजाला
हिंदी दैनिक
स्वामी नमोकंचन कार्पोरेट सर्विसेस (एल.एल.पी) के लिए प्रकाशन, मुद्रक व संपादक कंचन सोलंकी द्वारा उमाकान्ती ऑफसेट प्रेस, ग्राम डेहवा पोस्ट मोहनलाल गंज लखनऊ से मुद्रित एवं 61/18 चुटकी भण्डार हुसैनगंज लखनऊ से प्रकाशित।
संपादक- कंचन सोलंकी
TITLE CODE- UPHIN48974
Mob: 8896925119, 9695670357
Email: kanchansolanki397@gmail.com
नोटः समाचार पत्र में प्रकाशित समाचारो एवं लेखों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नही। समस्त विवादो का निस्तारण लखनऊ न्यायालय के अधीन होगा।